बापू की बातें

दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.MPHIN/2003/10309

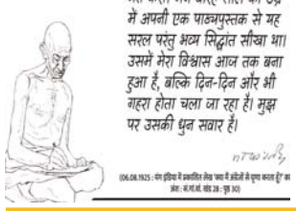

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | सीहोर जिले, नर्मदापुरम् संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा | वर्ष-23 अंक-165 | सीहोर, सोमवार 17 अगस्त 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये | सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

मेरे असहयोग का मूल घृणा में नहीं, प्रेम में है। मेरे व्यक्तिगत धर्म का कड़ा आदेश है कि किसी से घृणा मत करो। मैंने बारह साल की उम्र में अपनी एक पाठ्यपुस्तक से यह सरल परंतु भव्य सिद्धांत सीखा था। उसमें मेरा विश्वास आज तक बना हुआ है, बल्कि दिन-दिन और भी गहरा होता चला जा रहा है। मुझ पर उसकी धुन सवार है।

'शायद ज्यादा दिन जिंदा न रह पाऊं..', रांची में भूख हड़ताल पर बैठे छात्र नेता ने सरकार पर लगाया आरोप

नई दिल्ली(ए)। रांची में JPSC-JSSC भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ छात्रों का आंदोलन लगातार जारी है। प्रदर्शन के 23वें दिन छात्र नेता प्रेम नायक ने सरकार पर अभ्यर्थियों की मांगों को गंभीरता से नहीं लेने का आरोप लगाया। वहीं, भूख हड़ताल पर बैठे छात्रों की स्वास्थ्य स्थिति बिगड़ने को लेकर भी चिंता जताई जा रही है। प्रेम नायक ने कहा कि विरोध प्रदर्शन को 23 दिन हो चुके हैं, जबकि भूख हड़ताल का यह 13वां दिन है। उन्होंने दावा किया कि सरकार की ओर से अब तक छात्रों की मांगों पर अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाई गई है। प्रेम नायक के मुताबिक, पिछले दिन से उन्हें बुखार है और उनकी तबीयत लगातार खराब हो रही है। इलाज के लिए ले जाने की कोशिश किए जाने के बावजूद उन्होंने अस्पताल जाने से इनकार कर दिया।उन्होंने आंदोलन को कमजोर करने की कोशिश किए जाने का भी आरोप लगाया। प्रेम नायक ने कहा कि छात्र नेता देवेंद्र नाथ

महतो को भी वहां से ले जाया गया है और उन्हें वापस आंदोलन में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जा रही है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आवास के घेराव के प्रस्ताव को लेकर प्रेम नायक ने कहा कि छात्रों के बीच इस मुद्दे पर चर्चा जारी है और अभी अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री आवास के घेराव के बजाय जेल भरो आंदोलन को भी विकल्प के तौर पर देखा जा सकता है।प्रेम नायक ने यह भी कहा कि जरूरत पड़ने पर स्कूल और कॉलेज बंद कराने जैसे कदमों पर भी विचार किया जा सकता है। उनका कहना है कि सरकार को छात्रों की मांगों पर गंभीरता से विचार कर उचित कार्रवाई करनी चाहिए। JPSC-JSSC अभ्यर्थियों ने 20 अगस्त को बड़े आंदोलन की तैयारी की है। छात्रों ने मुख्यमंत्री आवास के घेराव का ऐलान किया है। अभ्यर्थियों की प्रमुख मांगों में JPSC की 11वीं से 13वीं परीक्षा और JSSC-CGL सहित विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में सामने आई कथित अनियमितताओं की CBI जांच कराना शामिल है।

छात्र इन परीक्षाओं को रद्द करने की मांग भी कर रहे हैं। आंदोलनकारी अभ्यर्थियों का कहना है कि भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर छात्रों के हित में जल्द निर्णय लिया जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव इंदौर में काफिला रुकवाकर कावड़ यात्री से मिले

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज इंदौर में श्रावण मास की धार्मिक यात्रा पर कावड़ यात्री को जाता देख अपना काफिला रुकवा कर कावड़ यात्री से उनकी कावड़ लेकर अपने कंधे पर उठाकर चलें। साथ ही उन्होंने इंदौर के कावड़ यात्री बाबू पटेल से चर्चा की। बाबू पटेल ने बताया कि वे वर्षों से कावड़ यात्रा कर रहें है।

मुख्यमंत्री ने उनकी प्रशंसा करते हुए श्रावण मास की शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री रविवार को इंदौर प्रवास पर रहें।

इस दौरान उन्होंने इंदौर में अनेक विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन किया।

ऐसे तीन इरादे रखने वाले होते हैं दिमागी नक्सली, रिजिजू ने बताया किनके बारे में बोले थे पीएम मोदी

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिमागी नक्सली' को लेकर हो रहे विवाद के बीच संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने स्पष्टीकरण दिया है। किरेन रिजिजू ने स्पष्ट किया है कि प्रधानमंत्री ने विपक्ष के नेताओं को दिमागी नक्सली' नहीं कहा है।केंद्रीय मंत्री ने एक्स पर लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष के नेताओं को दिमागी नक्सली' नहीं कहा। दिमागी नक्सली' सिर्फ वे लोग हैं जो माओवादियों का समर्थन करते हैं और भारतीय संविधान को नहीं मानते, अलगाववादियों के साथ खड़े होते हैं और अनुच्छेद 370 का समर्थन करते हैं और नॉर्थ-ईस्ट को भारत से अलग करने के लिए चिकन नेक' को काटना चाहते हैं। दरअसल, प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस पर देश के संबोधन में कहा था, नक्सलवाद और माओवाद ने लाखों युवाओं के भविष्य को तबाह कर दिया।

गाय को चारा खिलाया और मोर को दाना, इंस्टाग्राम पर पीएम मोदी ने शेयर किया नया वीडियो, बोले- ये मेरी दैनिक दिनचर्या'

नईदिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 15 अगस्त यानी स्वतंत्रता दिवस की सुबह के खास पल को शेयर किया है। पीएम मोदी अपने आवास पर गायों को चारा और मोर को दाना खिलाने के बाद लालकिले के लिए निकले थे। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार दोपहर को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में वे अपने सरकारी आवास पर मोरों और पुंगनूर गायों के साथ नजर आए। उन्हें 7 लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने सरकारी आवास पर रखी देसी और छोटे आकार की गायों को खाना खिलाते और प्यार से सहलाते हुए देखा गया। फिर अपने हाथों से मोरों को दाने खिलाए।

'वंदे मातरम' के अपमान पर भाजपा नेता ने मंगलुरु में दी सोनिया गांधी के खिलाफ शिकायत

नईदिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस मुख्यालय में 15 अगस्त को वंदे मातरम का अपमान करने पर कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के खिलाफ कर्नाटक में स्थित मंगलुरु के उरवा पुलिस स्टेशन में शिकायत दी गई है। भाजपा नेता विकास पुत्तूर कार्यकर्ताओं के साथ उरवा पुलिस स्टेशन पहुंचे और उन्होंने पुलिस को शिकायत सौंपी। उन्होंने आरोप लगाया कि 15 अगस्त को दिल्ली में कांग्रेस कार्यालय में आयोजित ध्वजारोहण समारोह का प्रसारण किया गया। इस कार्यक्रम में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी मौजूद थीं। सोनिया गांधी ने वंदे मातरम' को बीच में ही रोकने के लिए कहा था।

अब विनयतोष मिश्र के हाथों में ओडिशा पुलिस की कमान, महिला सुरक्षा और नशामुक्ति होगी पहली प्राथमिकता

कटक (आरएनएस)। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी विनयतोष मिश्र ने रविवार को ओडिशा के कार्यकारी पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) का पदभार संभाल लिया। 1993 बैच के आईपीएस अधिकारी मिश्र ने कटक स्थित पुलिस मुख्यालय में निवर्तमान डीजीपी योगेश बहादुर खुरानिया से औपचारिक रूप से कार्यभार ग्रहण किया।राज्य सरकार की ओर से नियमित डीजीपी के नाम की घोषणा होने तक वह कार्यकारी डीजीपी के रूप में जिम्मेदारी संभालेंगे।

स्वतंत्रता दिवस पर दैनिक क्षितिज किरण कार्यालय में शान से लहराया तिरंगा

भोपाल (संदीप पंडा)। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर दैनिक क्षितिज किरण कार्यालय, प्रोफेसर कॉलोनी में गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में देश की आन, बान और शान तिरंगे का ध्वजारोहण प्रदेश के जाने-माने साहित्यकार एवं छायाकार 93 वर्षीय जगदीश कौशल जी के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। विशेष बात यह रही कि श्री कौशल जी अपने अरेरा कॉलोनी स्थित निवास से स्वयं वाहन चलाकर प्रोफेसर कॉलोनी स्थित दैनिक क्षितिज किरण कार्यालय पहुंचे और ध्वजारोहण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनकी ऊर्जा, उत्साह और देश के प्रति समर्पण ने उपस्थित

सभी लोगों को प्रेरित किया।इस अवसर पर के.के. सक्सेना जी ने उपस्थित सभी सदस्यों का तिलक कर उन्हें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम का माहौल देखने को मिला। समारोह में विजय कुमार जुनेजा, एस.के. जडीया, वतन राठौर, दैनिक क्षितिज किरण की सीहोर ब्यूरो प्रमुख श्रीमती भावना सक्सेना, दैनिक क्षितिज किरण के प्रधान सम्पादक के.के. सक्सेना, दैनिक क्षितिज किरण ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर विलक्षण सक्सेना, निर्भय मीना, राजेश मोहनिया, संदीप पंडा अभिषेक मिश्रा, अनुराग मालवीय सहित दैनिक क्षितिज किरण परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

गुजरात के राजकोट में 4 लोगों की डूबने से मौत, मृतकों में दो सगे भाई

राजकोट (ए.)। गुजरात के राजकोट में तालाब में डूबने से चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दो सगे भाइयों समेत तीन बच्चे और एक 18 वर्षीय युवक भी है। मृतक सोहन का आज रविवार को 10वां जन्मदिन था।

रोंकी गांव निवासी साजिदभाई सोरा का परिवार बेटे सोहन के 10वें जन्मदिन के अवसर पर परिवार के साथ कुवाडवा रोड थाना क्षेत्र में बेडी गांव की सीमा स्थित वीडी पीर दरगाह पर दर्शन और भोजन के लिए गया था। इसी दौरान 5 वर्षीय सेफू पास स्थित तालाब के गहरे पानी में डूबने लगा। छोटे भाई को डूबता देख अन्य बच्चे उसे बचाने के लिए पानी में उतर गए। इसी दौरान 18 वर्षीय साहिल सोरा भी उन्हें बचाने के लिए तालाब में कूद गया। लेकिन पानी की गहराई और तेज बहाव के कारण चारों पानी में डूब गए।घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग तत्काल तालाब में उतरे और चारों को बाहर निकाला। पुलिस की मदद से उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने चारों को मृत घोषित कर दिया। अस्पताल में परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इस हादसे से पूरे इलाके में मातम छा गया।

सिक्किम: रिंबी-सिंगलिताम में बढ़ रही भूस्खलन की घटनाएं, 150 से अधिक लोग खतरे में

गंगटोक (आरएनएस)। पश्चिम सिक्किम के गेजिंग जिले के युक्सम सब-डिविजन अंतर्गत रिंबी-सिंगलिताम में पिछले शुक्रवार देर रात से भूस्खलन की घटनाएं लगातार बढ़ रहीं हैं। दिन-रात हो रहे भूस्खलन की गतिविधि से रिहायशी इलाकों और कृषि भूमि को खतरा पैदा हो गया है।

प्रभावित क्षेत्र में 38 परिवारों के 150 से अधिक लोग आते हैं। इनमें रिंबी के 30 और सिंगलिताम के आठ परिवार शामिल हैं। भूस्खलन के लगातार खतरे को देखते हुए स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन को तत्काल खबर की। खिसकने को देखते हुए जिला प्रशासन ने बचाव एवं राहत अभियान तेज कर दिया है।प्रशासन की ओर से संवेदनशील परिवारों की पहचान कर उन्हें तत्काल सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का काम किया गया। प्रभावित और जोखिम वाले परिवारों के लिए अस्थायी आश्रय एवं राहत व्यवस्था भी प्राथमिकता के आधार पर की जा रही है।घटना को देखते हुए क्षेत्र विधायक एवं मंत्री टीटी भूटिया ने शनिवार को प्रभावित रिंबी-सिंगलिताम क्षेत्र का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और भूस्खलन से हुए नुकसान की जानकारी ली। मंत्री ने अधिकारियों को बचाव, राहत और अन्य आवश्यक कार्रवाई में तेजी लाने का निर्देश दिया।

डिग्री के साथ अनुशासन, आचरण और जिम्मेदारी भी जरूरी : उपराष्ट्रपति

चेंगलपट्टू, (ए.)। चेंगलपट्टू जिले के कट्टांकुलत्तूर स्थित एसआरएम विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित 22वें दीक्षांत समारोह में उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान कीं। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा के साथ अनुशासन, अच्छे आचरण और जिम्मेदारी की भावना विकसित करने तथा व्यक्तिगत सफलता के साथ देश के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। समारोह को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज डिग्री प्राप्त कर रहे विद्यार्थी इस बात का प्रमाण हैं कि विकसित भारत का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह केवल डिग्री प्राप्त करने का अवसर नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के अनुशासन, कार्यशैली और जीवन के प्रति समग्र दृष्टिकोण का भी महत्वपूर्ण पड़ाव है। कोरोना महामारी के दौरान भारत की भूमिका का उल्लेख करते हुए सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि भारत में निर्मित दवाएं दुनिया के विभिन्न देशों तक पहुंचीं। महामारी के दौरान भारत के दवा उत्पादन और चिकित्सा क्षेत्र के योगदान की कई देशों ने सराहना की। उन्होंने कहा कि हाल ही में केन्या की संसद ने भी भारत के प्रति आभार व्यक्त किया है। भारत ने महामारी के दौरान न केवल अपने नागरिकों की जरूरतें पूरी कीं, बल्कि विभिन्न देशों को भी आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराईं।

उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की प्रमुख आर्थिक शक्तियों में तेजी से उभर रहा है। आर्थिक रूप से चौथे स्थान पर स्थित भारत जल्द ही तीसरे स्थान की ओर बढ़ रहा है। देश को भविष्य में दुनिया की अग्रणी आर्थिक शक्ति बनाने के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रयास किए जा रहे हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद देश में तकनीकी शिक्षा संस्थानों, विश्वविद्यालयों और एम्स जैसे चिकित्सा संस्थानों समेत शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य क्षेत्र के बुनियादी ढांचे का विस्तार हुआ है। देश के विकास और भविष्य के निर्माण में युवाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपनी व्यक्तिगत प्रगति तक सीमित न रहें, बल्कि देश के विकास में भी सक्रिय योगदान दें। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम के माध्यम से प्राप्त शिक्षा विद्यार्थियों को डिग्री दिला सकती है, लेकिन जीवन में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए शिक्षा के साथ अनुशासन, अच्छा आचरण और जिम्मेदारी की भावना भी जरूरी है।सी.पी. राधाकृष्णन ने युवाओं को शराब और नशीले पदार्थों से पूरी तरह दूर रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि कॉलेज विद्यार्थियों के बीच नशीले पदार्थों के सेवन से जुड़ी खबरें लगातार सामने आ रही हैं। नशा युवाओं के भविष्य के लिए किसी भी रूप में लाभदायक नहीं है और इससे स्वास्थ्य एवं जीवन पर गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से अच्छे व्यवहार और सकारात्मक आदतें विकसित करने तथा अपने भविष्य का जिम्मेदारी के साथ निर्माण करने का आह्वान किया। साथ ही, देश के कानूनों और नियमों का सम्मान करते हुए आचरण करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपनी प्रतिभा का उपयोग समाज की प्रगति और देश के विकास के लिए करना चाहिए।उपराष्ट्रपति ने दीक्षांत समारोह में शामिल अभिभावकों को भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की शिक्षा और आज डिग्री हासिल करने में अभिभावकों के समर्थन और प्रोत्साहन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

K ✌ K
राजधानी समाचार

संक्षिप्त समाचार

पीएम के भाषण पर कांग्रेस विधायक ने जताया ऐतराज

भोपाल, (निप्र.)। स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के योगदान को याद किए जाने के बाद भोपाल से कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने मुस्लिम स्वतंत्रता सेनानियों का उल्लेख नहीं किए जाने पर सवाल उठाए हैं।मसूद ने प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजकर कहा है कि आजादी की लड़ाई किसी एक समुदाय की लड़ाई नहीं थी। देश को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त कराने में सभी कौमों के बहादुरों ने अपना योगदान और बलिदान दिया था। ऐसे में स्वतंत्रता संग्राम की चर्चा में मुस्लिम सेनानियों का उल्लेख नहीं होना अफसोसजनक और शर्मनाक है। मसूद ने अपने ज्ञापन में कहा है कि प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त को लाल किले से देश की आजादी की बात करते हुए स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के नाम लिए, लेकिन मुस्लिम स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का जिक्र नहीं किया।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री यदि इंडिया गेट के पास मौजूद नेशनल वॉर मेमोरियल या अंडमान निकोबार की सेलुलर जेल की दीवारों पर लिखे नाम देखेंगे तो उन्हें मुस्लिम स्वतंत्रता सेनानियों के नाम भी मिलेंगे।विधायक ने अपने ज्ञापन में इतिहास के कई प्रसंगों का हवाला देते हुए कहा कि 1757 से 1947 तक देश की आजादी के संघर्ष का ऐसा कोई दस्तावेज नहीं है, जिसमें मुस्लिम स्वतंत्रता सेनानियों का नाम न मिलता हो।उन्होंने बंकिमचंद्र चटर्जी के उपन्यास 'आनंदमठ' में वर्णित फकीर एवं संन्यासी विद्रोह का उदाहरण देते हुए मजनू शाह फकीर और उनके साथियों का उल्लेख किया है। मसूद के अनुसार मजनू शाह के बाद मूसा शाह, चिराग अली और नूरुल मोहम्मद ने इस आंदोलन को आगे बढ़ाया। मसूद ने 1857 के विद्रोह को भी अपने तर्क का आधार बनाया है। उन्होंने अहमदुल्ला शाह मदरासी का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने दिल्ली, पटना, फैजाबाद, कलकत्ता और देश के अन्य हिस्सों में अंग्रेजों के खिलाफ स्वतंत्रता आंदोलन के लिए काम किया। ज्ञापन में यह भी कहा है कि अंग्रेजों ने अहमदुल्ला शाह को पकड़ने वाले व्यक्ति के लिए 50 हजार रुपए इनाम की घोषणा की थी।

भोपाल में टीकाकरण के बाद दो महीने की बच्ची की मौत, परिजनों ने लगाए गंभीर आरोप

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के छोला मंदिर थाना क्षेत्र की नवजीवन कॉलोनी में दो महीने की बच्ची की इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि 14 अगस्त को आंगनवाड़ी केंद्र में पोलियो की दवा पिलाने और टीकाकरण के बाद बच्ची की तबीयत बिगड़ी थी। परिवार के मुताबिक बच्ची को सात बूंद पोलियो की दवा पिलाने के साथ तीन इंजेक्शन लगाए गए थे।तबीयत बिगड़ने पर परिजन बच्ची को अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसका उपचार चल रहा था। रविवार सुबह इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। बच्ची की मौत के बाद परिवार ने टीकाकरण और दवा की मात्रा को लेकर सवाल उठाए हैं। हालांकि, बच्ची की मौत की वजह अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।मृतका की पहचान लक्ष्मी पुत्री हलके राम (2 माह) के रूप में हुई है। वह नवजीवन कॉलोनी, छोला की रहने वाली थी। परिवार मूल रूप से सिरोंज का रहने वाला है। लक्ष्मी परिवार की इकलौती बेटी थी। उसका एक बड़ा भाई है। परिजनों के अनुसार, 14 अगस्त को लक्ष्मी को आंगनवाड़ी केंद्र ले जाया गया था। वहां नियमित स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत उसे पोलियो की दवा पिलाई गई और टीकाकरण किया गया। परिवार का दावा है कि बच्ची को सात बूंद पोलियो की दवा पिलाने के अलावा तीन इंजेक्शन भी लगाए गए। परिजनों का कहना है कि आंगनवाड़ी से घर लौटने के बाद बच्ची की तबीयत बिगड़ने लगी। हालत गंभीर होने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसका इलाज शुरू किया। उपचार के दौरान रविवार सुबह बच्ची की मौत हो गई।बच्ची के पिता हलके राम ने आरोप लगाया कि दो महीने की बच्ची को पोलियो की सात बूंद दवा पिलाई गई और तीन इंजेक्शन लगाए गए। उनका दावा है कि दवा के ओवरडोज के कारण बच्ची की तबीयत बिगड़ी और उसकी मौत हो गई। हालांकि, पुलिस ने अभी इस आरोप की पुष्टि नहीं की है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट समेत अन्य तथ्यों के आधार पर मौत की वजह स्पष्ट की जाएगी।

भोपाल के थाने में एएसआई की तबीयत बिगड़ीः तलैया थाने में साथी पुलिस कर्मियों ने सीपीआर देकर बचाई जान

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल के तलैया थाने में एक पुलिसकर्मी की अचानक तबीयत बिगड़ गई। उप निरीक्षक राधेलाल की हालत बिगड़ते ही थाने में मौजूद एएसआई राजकुमार शर्मा और आरक्षक अंकित ने तत्काल तत्परता दिखाई। दोनों पुलिसकर्मियों ने उन्हें सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) दिया। समय पर मिली मदद से उनकी जान बच सकी। घटना शुक्रवार देर रात की है। जानकारी के मुताबिक, ड्यूटी के दौरान उप निरीक्षक राधेलाल की अचानक तबीयत खराब हो गई। उनकी स्थिति गंभीर होती देख साथी पुलिसकर्मियों ने बिना समय गंवाए प्राथमिक सहायता शुरू की। एएसआई राजकुमार शर्मा और आरक्षक अंकित ने सीपीआर देकर उनकी हालत संभालने का प्रयास किया। इसके बाद उन्हें तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने उनका उपचार शुरू किया। समय पर सीपीआर मिलने और तत्काल अस्पताल पहुंचाए जाने से उनकी हालत में सुधार बताया जा रहा है।इस घटना में साथी पुलिसकर्मियों की तत्परता, आपसी सहयोग और सूझबूझ से उप निरीक्षक राधेलाल की जान बच सकी। पुलिस विभाग में भी दोनों कर्मचारियों की तत्परता की सराहना की जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी में युवाओं से किया संवाद

युवाओं को बनाएंगे उद्योगपति, ताकि वे नौकरी देने वाले बनें : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और पूज्य संत अवधूत श्री दादागुरु भगवान ने रविवार को मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी कैंपस में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम में सहभागिता की। युवा संवाद का विषय प्रकृति केन्द्रित जीवन : व्यवस्था एवं विकास था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मौजूद युवाओं से आत्मीय संवाद कर उनके शिक्षा, रोजगार, आजीविका, स्वास्थ्य और युवाओं के विकास के लिए सरकार के प्रयासों पर केन्द्रित प्रश्नों के उत्तर दिए। कार्यक्रम के दौरान पूज्य संत श्री दादागुरु भगवान एवं मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी ने वर्ष 2027 को युवा वर्ष घोषित करने के लिए प्रदेश के सभी युवाओं की तरफ से मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार व्यक्त किया और उन्हें तुलसी का पौधा एवं शॉल भेंटकर तथा प्रतीक चिन्ह देकर अभिनंदन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवा संवाद में संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं में निहित असीम ऊर्जा को एक नई दिशा देकर प्रदेश के विकास में उनकी भागीदारी सुनिश्चित कर रही है। युवा ही विकसित भारत और विकसित मध्यप्रदेश का सपना साकार करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार हर संभव तरीके से युवाओं के कल्याण की दिशा में आगे बढ़ रही है। युवाओं के हित में ठोस प्रयासों के लिए हमने आने वाले वर्ष 2027 को युवा वर्ष घोषित किया है। प्रदेश में औद्योगिक विकास, रोजगार के नए साधन, शासकीय सेवा में नई भर्ती और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देकर हमने युवाओं के लिए प्रदेश में हर तरह के संसाधन उपलब्ध कराए हैं। युवा वर्ष 2027 के लिए भी हमारी तैयारी जारी है। हम योजनाबद्ध तरीके से पूरे साल युवाओं के कल्याण और उनके कौशल विकास से जुड़ी गतिविधियां आयोजित करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में हो रहे औद्योगिक विकास का लाभ हम युवाओं को देना चाहते हैं। हमारी सरकार युवाओं को भारी उद्योग, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा कुटीर एवं ग्रामोद्योग सहित स्वरोजगार से जोड़कर उनके कौशल का विकास कर रही हैं। हमारी सरकार की मंशा है कि हमारे युवा उद्योगपति बनें, ताकि वे रोजगार मांगने वाले नहीं, रोजगार देने वाली सक्षम स्थिति में आ जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि युवाओं से संवाद कर उन्हें हमेशा ऊर्जा मिलती है। युवाओं के कल्याण के लिए नए आइडिया मिलते हैं। हमारी सरकार इस तरह के युवा संवाद से मिले सकारात्मक और नवाचारी विचारों को अमलीजामा पहनाने के लिए प्रयास करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की प्रतिमा पर अर्पित की पुष्पांजलि

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की 195वीं जयंती अवसर पर माता मंदिर चौराहे पर स्थापित उनकी प्रतिमा और चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धापूर्वक नमन किया। वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी का जन्म 16 अगस्त 1831 को मध्यप्रदेश के वर्तमान डिंडोरी जिले में हुआ था। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी हमारी राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक हैं। उनके योगदान के सम्मानस्वरूप हमारी सरकार ने वीरांगना के नाम पर पहले एक लाख रुपए का पुरस्कार घोषित किया था। अब इस पुरस्कार की राशि बढ़ाकर हमने दो लाख रुपए कर दी है। हमारी सरकार वीरांगना के सम्मान में हर आवश्यक कदम उठायेगी। इस अवसर पर सांसद आलोक शर्मा, विधायक रामेश्वर शर्मा, विधायक भगवान दास सबनानी, महापौर श्रीमती मालती राय, समाजसेवी डा. महेंद्र सिंह, राहुल कोठारी, रविन्द्र यति, आशीष अग्रवाल एवं बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे।

हमारी कार्य पद्धति अटल जी जैसी हो, ताकि जनता में स्वीकार्यता बढ़े : नरेन्द्र सिंह तोमर

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि पार्टी पद दे सकती है, पदाधिकारी बना सकती है, लेकिन नेता हमेशा जनता बनाती है। इसलिए जब हम किसी भी पद पर रहें, हमारी कार्य पद्धति ऐसी होनी चाहिए कि जनता में स्वीकार्यता बढ़े। ऐसी स्वीकार्यता जैसी पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने अपनी कार्य पद्धति से प्राप्त की थी।विधानसभा अध्यक्ष ने रविवार को भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी की पुण्यतिथि पर भोपाल की प्रोफेसर कॉलोनी में आयोजित अटलजी कि प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अटलजी की प्रतिमा स्थापना का कार्य भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के मार्गदर्शन में नगर निगम भोपाल के माध्यम से हो पाया है। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी हम सभी की प्रेरणा हैं। अटलजी का कृतित्व और व्यक्तित्व, उनकी जीवन यात्रा, उनकी कार्य पद्धति देश के लिए तो आदर्श है ही, लेकिन दुनिया में जो अटलजी को जानता है वह उनकी कार्य पद्धति का कायल है।तोमर ने कहा कि अटलजी संगठन और विचार के प्रति बहुत समर्पित थे और दृढ़ संकल्पित भी थे। आरंभ में जब अटलजी का युग था।

प्रमुख सचिव ऊर्जा ने किया एम पी ट्रांसको के 132 के.व्ही. सबस्टेशन सलामतपुर का निरीक्षण

सुचारू एवं निर्वाध विद्युत आपूर्ति के लिए दिए निर्देश

भोपाल (आरएनएस) । मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान 2026 के तहत प्रमुख सचिव, ऊर्जा मनीष सिंह ने मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के 132 के.व्ही. सब स्टेशन सलामतपुर (रायसेन) का निरीक्षण कर निर्बाध एवं सुचारु विद्युत आपूर्ति के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान प्रमुख सचिव श्री सिंह द्वारा सब स्टेशन में स्थापित विद्युत उपकरणों, नियंत्रण कक्ष एवं विद्युत प्रणाली का अवलोकन किया गया तथा उन्होंने सब स्टेशन से संबंधित विद्युत आपूर्ति एवं संचालन व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने एक्स्ट्रा हाई टेंशन सब स्टेशनों की फीडर वे के संबंध में भौगोलिक जानकारी भी प्राप्त की। एमपी ट्रांसको भोपाल के अतिरिक्त मुख्य अभियंता प्रदीप सिंह राघव द्वारा सब स्टेशन पर स्थापित उपकरणों, यहाँ से संचालित होने वाली विद्युत प्रणाली एवं डाटा ट्रांसमिशन के लिए कंपनी द्वारा अपनाई गई ऑप्टिकल फाइबर तकनीक इत्यादि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। प्रमुख सचिव श्री सिंह ने अवलोकन के दौरान सब स्टेशन के सुचारू, सुरक्षित एवं निर्बाध संचालन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने सब स्टेशन में साफ सफाई, परिसर में हरियाली एवं रखरखाव प्रबंधन की प्रशंसा की। निरीक्षण के दौरान म.प्र. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग, मुख्य अभियंता भोपाल क्षेत्र बी बी एस परिहार, अधीक्षण अभियंता रायसेन अंकुर सेठ, म.प्र. पॉवर ट्रांस. कंपनी के अधीक्षण अभियंता बीना अशोक कुमार श्रीवास्तव, कार्यपालन अभियंता संजय जैन,सहायक अभियंता दिलीप रजक एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

गुरु मनोहर उन्मुक्त योग केंद्र में शान से लहराया तिरंगा, योग साधकों ने दी राष्ट्रभक्ति की मिसाल

भोपाल (संदीप पंडा)। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर वन विहार स्थित गुरु मनोहर उन्मुक्त योग केंद्र में देशभक्ति और श्रद्धा से ओतप्रोत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह की शुरुआत राष्ट्रध्वज तिरंगे के ध्वजारोहण के साथ हुई। उपस्थित सभी लोगों ने राष्ट्रगान के साथ देश की आन-बान-शान तिरंगे को नमन किया।

इस अवसर पर स्वर्गीय श्री गुरु मनोहर लाल चौबे जी के चित्र पर माल्यार्पण कर सभी उपस्थितजनों ने उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। योग एवं समाज के क्षेत्र में उनके योगदान को याद करते हुए उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने का संकल्प भी लिया गया। कार्यक्रम के दौरान योग गुरु निलेश जेमिनी जी का सम्मान किया गया। उपस्थित योग साधकों ने योग और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व पर भी चर्चा की। समारोह में बड़ी संख्या में योगाभ्यासी एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे, जिससे पूरा परिसर राष्ट्रप्रेम और सकारात्मक ऊर्जा से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम का संचालन दैनिक क्षितिज किरण के डायरेक्टर एवं युवा पत्रकार विलक्षण सक्सेना जी ने किया। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देश की स्वतंत्रता केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को याद करने का दिन भी है। समारोह के अंत में सभी उपस्थितजनों ने एक-दूसरे को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और देश की एकता, अखंडता, शांति एवं समृद्धि की कामना की।

अहिंसा विहार कॉलोनी में हर्षोल्लास से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

भोपाल (संदीप पंडा)। अयोध्या बायपास रोड स्थित अहिंसा विहार कॉलोनी में 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भव्य एवं गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कॉलोनीवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और राष्ट्रध्वज को नमन करते हुए देश की एकता एवं अखंडता का संकल्प लिया। समारोह में मुख्य रूप से वार्ड क्रमांक 68 की पार्षद श्रीमती उर्मिला मौर्य, भाजपा भोपाल के उपाध्यक्ष सतीश विश्वकर्मा, नरेला क्षेत्र के पार्षद जीत राजपूत तथा गोविंदपुरा के पूर्व पार्षद महेश मालवीय अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सोसायटी अध्यक्ष राजेंद्र जैन एवं सोसायटी

डायरेक्टर दीपक मानकर सहित बड़ी संख्या में कॉलोनी के रहवासी मौजूद रहे। अतिथियों ने देश के स्वतंत्रता सेनानियों और वीर जवानों को नमन करते हुए स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। समारोह के दौरान देशभक्ति से ओतप्रोत वातावरण देखने को मिला। बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों ने उत्साह के साथ कार्यक्रम में सहभागिता की। उपस्थित अतिथियों ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें देश के प्रति अपने कर्तव्यों, जिम्मेदारियों और राष्ट्र की एकता-अखंडता को बनाए रखने की प्रेरणा देता है।

कार्यक्रम के समापन पर सभी ने एक-दूसरे को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और देश की सुख-समृद्धि एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कलेक्ट्रेट परिसर में कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने किया ध्वजारोहण

भोपाल (आरएनएस)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर में कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर सामूहिक रूप से राष्ट्रगान हुआ। कलेक्टर श्री मिश्रा ने सभी उपस्थितों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं।ध्वजारोहण के उपरांत कलेक्टर श्री मिश्रा ने स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों को नमन करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें एकजुट होकर देश की प्रगति और विकास में योगदान देने की प्रेरणा देता है। उन्होंने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और नागरिकों से अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर एडीएम सुमित पांडे, मनोज कवचे, पी सी शाक्य, प्रकाश नायक, एसडीम सहित विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि,स्कूली बच्चे और आम नागरिक उपस्थित रहे।

सागर पुलिस ने सायबर अपराध के लिए म्यूल बैंक खातों का नेटवर्क संचालित करने वाली गैंग का किया पर्दाफाश

16 से अधिक फर्जी फर्मों के नाम से बैंक खाते खुलवाकर करोड़ों रुपये के संदिग्ध लेन-देन का खुलासा

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा सायबर अपराध एवं सायबर ठगी के नेटवर्क को समाप्त करने के लिए तकनीकी साक्ष्यों, बैंकिंग ट्रांजेक्शन के विश्लेषण एवं डिजिटल इन्वेस्टिगेशन के माध्यम से लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सागर पुलिस ने बेरोजगार एवं सामान्य व्यक्तियों के दस्तावेजों का दुरुपयोग कर उनके नाम से फर्जी फर्में एवं म्यूल बैंक खाते खुलवाकर सायबर अपराध एवं अन्य संदिग्ध गतिविधियों से प्राप्त राशि का सर्कुलेशन करने वाले संगठित नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में 02 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि 03 अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस अधीक्षक सागर अनुराग सुजानिया के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बीना जयवीर सिंह भदौरिया एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सागर नरेंद्र सोलंकी के मार्गदर्शन में थाना मकरोनिया पुलिस द्वारा यह कार्रवाई की गई। 13 अगस्त को थाना मकरोनिया में फरियादी रोहित पिता रूपराज पटेल द्वारा शिकायत प्रस्तुत की गई कि उसके दस्तावेजों का दुरुपयोग कर उसके नाम से फर्जी फर्म तैयार की गई तथा उसके आधार पर फेडरल बैंक, शाखा मकरोनिया में करंट अकाउंट खुलवाया गया है। शिकायत को गंभीरता से लेते

हुए पुलिस ने संबंधित बैंक खाते का तत्काल परीक्षण एवं तकनीकी-आर्थिक विश्लेषण कराया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि फरियादी के नाम से ग्लैमर इंटरप्राइजेस नामक फर्म तैयार कर करंट अकाउंट खुलवाया गया था। इस खाते में फरवरी 2026 से अब तक लगभग छह माह की अवधि में करीब 90 लाख रुपये का लेन-देन पाया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में विशेष टीम गठित कर बैंक खातों में हुए लेन-देन, संबंधित फर्मों, बैंकिंग चैनल एवं उपलब्ध तकनीकी साक्ष्यों का विस्तृत विश्लेषण किया गया। विवेचना के दौरान पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपियों से की गई गहन पूछताछ एवं तकनीकी साक्ष्यों के विश्लेषण में गिरोह के नेटवर्क के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरोह के सदस्य बेरोजगार एवं सामान्य व्यक्तियों को कमीशन तथा आसान कमाई का लालच देकर उनके आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेज प्राप्त करते थे। इन दस्तावेजों के आधार पर उनके नाम से फर्जी फर्म तैयार कर विभिन्न निजी बैंकों में करंट अकाउंट खुलवाए जाते थे। बाद में इन बैंक खातों को गिरोह अपने नियंत्रण में लेकर म्यूल अकाउंट के रूप में इस्तेमाल करता था। इन खातों के माध्यम से सायबर ठगी तथा अन्य संदिग्ध गतिविधियों से प्राप्त राशि को विभिन्न खातों में भेजने एवं उसका सर्कुलेशन करने का कार्य किया जा रहा था। आरोपियों से प्राप्त जानकारी तथा तकनीकी एवं बैंकिंग विश्लेषण के आधार पर अब तक 16 से अधिक फर्जी फर्मों का पता लगाया गया है।

रतलाम में सराफा व्यापारी से करोड़ों की लूट का पुलिस ने 48 घंटे में किया खुलासा

भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा गंभीर एवं चुनौतीपूर्ण अपराधों के त्वरित खुलासे के लिए आधुनिक तकनीक, साइबर साक्ष्यों एवं पारंपरिक पुलिसिंग का प्रभावी समन्वय करते हुए लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में रतलाम पुलिस ने सराफा व्यापारी से हुई करोड़ों रुपये की लूट की वारदात का महज 48 घंटे में सफलतापूर्वक पर्दाफाश करते हुए 06 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटे गए सोने-चांदी के आभूषण सहित लगभग 5 करोड़ 50 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की है।घटना 13 अगस्त 2026 की रात थाना बिलपांक क्षेत्र अंतर्गत हनुमान चौकी, उमरथाना फंटा के पास हुई। फरियादी अर्पित पिता ललित कुमार चोरड़िया, निवासी जैन कॉलोनी रतलाम, गणेश मार्केट चांदनी चौक रतलाम में सोने-चांदी के आभूषणों का व्यवसाय करते हैं तथा बड़नगर के व्यापारियों के साथ भी व्यापारिक लेन-देन करते हैं। फरियादी 13 अगस्त को व्यापारिक कार्य से बड़नगर गया था। विभिन्न व्यापारियों को सोने के आभूषणों की बिक्री करने के बाद वह रात्रि बस से रतलाम के लिए रवाना हुआ।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा-इंदौर में नवाचार की गंगा बह रही है

इंदौर (ए.)। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि इंदौर में नवाचार की गंगा बहती है। यह शहर स्वच्छता का भी सिरमौर है। इंदौर का कायाकल्प हो रहा है। शहर के पश्चिमी क्षेत्र में वर्षों पुरानी झुग्गी को हटाकर एक चौड़ी सड़क बनाई गई है। यह शहरवासियों की राह आसान करेगी। इस सड़क के बनने से रहवासी भी खुश हैं। इसके अलावा नगर निगम ने फायर ब्रिगेड की बाइक भी तैयार की है। इंदौर के प्राणी संग्रहालय में भी सुविधाएं बढ़ाई गई हैं। वहां 14-डी थिएटर और भूलभुलैया मनोरंजन का नया केंद्र होंगे। इंदौर में 60 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया गया है।

उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का इंदौर से भी नाता रहा है। अटल जी ने 24 दलों के साथ तालमेल से सरकार चलाई। उनका किसी भी दल से मनभेद नहीं रहा। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि उज्जैन-इंदौर मेट्रोपॉलिटन सिटी के जरिए दोनों शहरों का विकास होगा। प्रधानमंत्री ने नदी जोड़ो अभियान का सपना देखा था। कांग्रेस ने हमेशा इस काम में अड़ंगे लगाए। हमने नर्मदा को शिप्रा से जोड़ा। प्रदेश

सरकार उनके सपनों को साकार कर रही है। नर्मदा से कई नदियों को जोड़ा गया है। कांग्रेस कभी विकास के काम में मदद नहीं करती। कांग्रेस ने हमेशा बंटाढार किया है।

नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि इंदौर में अटल जी की प्रतिमा पहले लग जानी चाहिए थी। अब प्रतिमा शहर में नजर आएगी। चंदन नगर मार्ग का हल 15 दिन के भीतर निकाल लिया जाएगा। वहां भी चौड़ी सड़क बनेगी।

विधायक मालिनी गौड़ ने कहा कि 14 करोड़ रुपये की लागत से अटल पथ बनाया गया है। इंदौर के पश्चिमी क्षेत्र में सिटी बसों का नेटवर्क भी बढ़ाया जाएगा। मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि पश्चिम क्षेत्र में चंदन नगर सड़क की सौगात मिलेगी।

खुली जीप में सवार हुए मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री अटल पथ पर खुली जीप में लोगों का अभिवादन करते हुए चल रहे थे। कोई उन्हें फूलों के गुलदस्ते दे रहा था तो कोई फूलों की माला। जीप में उनके साथ भाजपा शहर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, सांसद शंकर लालवानी और मेयर पुष्यमित्र भार्गव मौजूद थे। प्राणी संग्रहालय से जब मुख्यमंत्री अटल पथ जा रहे थे तो उन्होंने रास्ते में कांवड़ यात्रियों को जाते देखा। इसके बाद काफिला रुका और मुख्यमंत्री ने कांवड़ यात्रियों से भी चर्चा की।

दमोह-छतरपुर मार्ग पर अज्ञात वाहन ने चार मवेशियों को कुचला, ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

दमोह (ए.)। दमोह-छतरपुर मार्ग पर बटियागढ़ थाना क्षेत्र के नीमन तिराहा पर रविवार तड़के अज्ञात वाहन की टक्कर से चार मवेशियों की मौत हो गई। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। घटना से नाराज ग्रामीणों ने सोमवार सुबह करीब 10 बजे दमोह-छतरपुर हाईवे पर चक्काजाम कर दिया। ग्रामीण आवारा मवेशियों के लिए उचित व्यवस्था और मृत मवेशियों के पशुपालकों को मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं।

पांच मवेशियों को मारी टक्कर

जानकारी के अनुसार, हादसा रविवार सुबह करीब तीन बजे हुआ। नीमन तिराहा के पास सड़क पर पांच मवेशी मौजूद थे। इसी दौरान तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में चार मवेशियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक मवेशी घायल हो गया। दुर्घटना के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। सुबह घटना की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे।

चार बहनों का अकेला भाई, पुलिस ट्रेनिंग कर रही प्रेमिका के लिए ड्राइवर की नौकरी की, जान दे दी

इंदौर (ए.)। इंदौर के खुड़ैल थाना क्षेत्र स्थित देवगुराड़िया की मानसरोवर कॉलोनी से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां किराए के कमरे में रह रहे 27 वर्षीय युवक ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना शनिवार की है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान आयुष पिता उत्तम गोस्वामी निवासी सागर के रूप में हुई है। वह पिछले कुछ महीनों से इंदौर में रहकर एक निजी कंपनी में ड्राइवरी का काम कर रहा था। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि युवक का सागर निवासी एक युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था और वही उसके इंदौर आने का मुख्य कारण था।

कॉल न उठाने पर मकान मालिक ने देखा शव

शनिवार को आयुष के फोन पर लगातार कॉल आ रहे थे लेकिन उसने किसी का जवाब नहीं दिया। इसके बाद परिजनों और परिचितों ने मकान मालिक से संपर्क किया। मकान मालिक ने जब आयुष के कमरे में जाकर खिड़की से देखा तो वह फंदे से लटका हुआ था। इसके बाद मकान मालिक ने तुरंत घटना की जानकारी पुलिस और मृतक के पिता को दी। सूचना पाते ही खुड़ैल पुलिस मौके पर पहुंची और शव को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया।

बारिश बनी काल- कच्चे मकान की दीवार भरभराकर गिरी, मलबे में दबने से महिला की मौत; आधे घंटे बाद निकाला शव

दमोह (ए.)। दमोह जिले के पथरिया थाना क्षेत्र के सतपारा गांव में शनिवार दोपहर बारिश के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया। कच्चे मकान की दीवार अचानक भरभराकर गिरने से मलबे में दबकर 56 वर्षीय महिला की मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। परिजनों और ग्रामीणों ने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद महिला को मलबे से बाहर निकाला, लेकिन अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार सतपारा निवासी अनुसुइया बाई पति भागीरथ सेन (56) शनिवार दोपहर करीब 3 बजे अपने घर के मिट्टी वाले कमरे में बैठी थीं। इसी दौरान बारिश के कारण अचानक मकान का छज्जा गिर गया। छज्जा गिरने के बाद कमरे की कच्ची दीवार भी कमजोर होकर भरभराकर गिर गई। दीवार के मलबे में अनुसुइया बाई दब गईं।

किताबों की उम्र में सड़क-पुल-बिजली की लड़ाई, 18 घंटे बाद गांव लौटे बच्चे

छतरपुर (ए.)। देश जब 15 अगस्त को आजादी का पर्व मना रहा था, उसी दिन महाराजपुर क्षेत्र के टटम गांव के स्कूली बच्चे और ग्रामीण सड़क, पुल और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर पैदल आंदोलन पर निकल पड़े। सुबह से शुरू हुआ यह आंदोलन करीब 18 घंटे बाद रविवार तड़के 2:30 बजे खत्म हुआ। विधायक से बातचीत के बाद ग्रामीणों को मांगें पूरी कराने का आश्वासन मिला, जिसके बाद बच्चे और ग्रामीण अपने गांव लौट गए।

तीन प्रमुख मांगों को लेकर निकले बच्चे

ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं को लेकर तीन प्रमुख मांगें प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के सामने रखीं।

मढ़ापुरवा से टटम तक सड़क निर्माण।

टपरन पुरवा से टटम तक पहुंचने के लिए पुल का निर्माण। टटम के वार्ड नंबर 20 में बिजली की सुविधा उपलब्ध कराना।

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क और पुल नहीं होने के कारण बच्चों सहित ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी होती है। बरसात के दिनों में समस्या और गंभीर हो जाती है।

शाम 7 बजे पहुंचे महाराजपुर तहसील, नहीं मिला संतोषजनक आश्वासन

सुबह से पैदल चलने के बाद बच्चे और ग्रामीण शनिवार शाम करीब 7 बजे महाराजपुर तहसील पहुंचे। यहां अधिकारियों से अपनी मांगों को लेकर चर्चा की, लेकिन जब उन्हें संतोषजनक आश्वासन नहीं मिला तो उन्होंने छतरपुर की ओर कूच करने का निर्णय लिया। तहसील से करीब एक किलोमीटर आगे महाराजपुर थाना क्षेत्र की सीमा पर उन्हें जानकारी मिली कि क्षेत्रीय विधायक कामाख्या प्रताप सिंह उनसे मिलने के लिए आ रहे हैं। इसके बाद प्रदर्शनकारी एक निजी पेट्रोल पंप पर रुक गए।

विधायक मुर्दाबाद के नारे

इतना ही नहीं इस बीच विधायक के न पहुंचने पर ग्रामीण आंदोलनकारियों और स्कूली बच्चों ने क्षेत्रीय भाजपा विधायक कामाख्या प्रताप सिंह उर्फ टीकाराजा मुर्दाबाद के नारे भी लगाए जिनके वीडियो भी सामने आए हैं।

तेज बारिश में रात 11 बजे तक विधायक का इंतजार

तेज बारिश के बीच बच्चे और ग्रामीण करीब 3 से 4 घंटे तक विधायक का इंतजार करते रहे।

रात करीब 11 बजे तक जब विधायक मौके पर नहीं पहुंचे तो उन्हें दूसरी सूचना दी गई कि विधायक ने सभी को अपने आलीपुरा स्थित घर पर बुलाया है।

घने जंगलों और बहते झरनों के बीच दौड़ेगी हेरिटेज ट्रेन, अगले शनिवार से शुरू हो सकता है रोमांचक सफर

इंदौर बारिश का सुहावना मौसम, पहाड़ों से गिरते झरने, चारों तरफ फैली हरियाली और बादलों से ढकी वादियां... ऐसे खूबसूरत मौसम में पातालपानी-कालाकुंड की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने वाले पर्यटकों के लिए बेहद राहत भरी खबर है। इस प्रसिद्ध और खूबसूरत घाट सेक्शन में एक बार फिर हेरिटेज ट्रेन दौड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है। ट्रेन का पूरा रैक मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद बीकानेर से मालगाड़ी पर सवार होकर रविवार सुबह इंदौर के लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन पहुंच गया है। अब इस रैक को यहां से पातालपानी तक ले जाया जाएगा। ऐसी संभावना जताई जा रही है कि अगले सप्ताह से यह ट्रेन यात्रियों को लेकर वादियों की सैर कराने के लिए पटरी पर उतर सकती है।

रेलवे जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि लक्ष्मीबाई नगर स्टेशन से हेरिटेज ट्रेन के रैक को महू के रास्ते पातालपानी स्टेशन तक पहुंचाया जाएगा। यहां इसे विशेष क्रेन की सहायता से ट्रैक पर उतारा

जाएगा। इसके बाद ट्रेन के इंजन के साथ सभी डिब्बों का अलाइनमेंट किया जाएगा। इन सभी प्रक्रियाओं के पूरा होने के बाद सबसे पहले ट्रायल रन आयोजित किया जाएगा। ट्रायल रन के दौरान ट्रेन के रैक, रेलवे ट्रैक, संचालन व्यवस्था और सुरक्षा मानकों की बारीकी से जांच की जाएगी। यदि सब कुछ सामान्य और सुरक्षित पाया गया, तो जल्द ही आम यात्रियों के लिए ट्रेन का नियमित संचालन शुरू कर दिया जाएगा। ऐसा अनुमान है कि अगले सप्ताह शनिवार से हेरिटेज ट्रेन फिर से पातालपानी से कालाकुंड की खूबसूरत वादियों में दौड़ती हुई दिखाई देगी।

155 साल पुराना है इस ऐतिहासिक रेल ट्रैक का इतिहास

पातालपानी-कालाकुंड का यह लगभग 9.5 किलोमीटर लंबा मीटरगेज रेल ट्रैक न केवल बेहद खूबसूरत है, बल्कि अपने आप में 155 साल पुराना समृद्ध इतिहास भी समेटे हुए है। इस ऐतिहासिक रेल लाइन की योजना 19वीं सदी में इंदौर रियासत के महाराजा तुकोजीराव होलकर द्वितीय ने तैयार की थी। वर्ष 1870 में इस रेल लाइन के निर्माण के लिए पहल की गई थी और वर्ष 1878 तक होलकर स्टेट रेलवे के अंतर्गत इसका निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया।

इंदौर में 100 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ दो गिरफ्तार, कीमत साढ़े 11 लाख रुपये; बाहर से लाकर करते सप्लाई

इंदौर (ए.)। इंदौर की खजराना पुलिस ने नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 100 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ राहुल परमार और एक नाबालिग को गिरफ्तार किया। बरामद ड्रग्स की कीमत करीब साढ़े 11 लाख रुपये है। पुलिस तस्करी के पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है।

इंदौर शहर में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत खजराना पुलिस ने एमडी ड्रग्स की तस्करी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें राहुल परमार और एक नाबालिग शामिल है। पुलिस ने दोनों के कब्जे से करीब 100 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब साढ़े 11 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक, खजराना थाना क्षेत्र में नशीले पदार्थों की तस्करी को लेकर लगातार निगरानी की जा रही थी।

व्यापार समाचार

आत्मनिर्भरता पर जोरः रक्षा मंत्रालय 1577 करोड़ में खरीदेगा हथियार, क्या भारत में जल्द बनेगा फाइटर जेट का इंजन?

नई दिल्ली (ए.)। भारत की स्वतंत्रता दिवस से पहले देश की सुरक्षा को लेकर दो अहम फैसले किए गए। रक्षा मंत्रालय ने चुनौतियों को मुंहतोड़ जवाब देने वाले हाइब्रिड हथियारों की खरीद का फैसला लिया है। सरकार के मुताबिक इस समझौते के बाद खरीदे जाने वाले हथियारों से देश की सेना और ताकतवर बनेगी। एक अन्य अहम फैसले में भारत में स्वदेशी फाइटर जेट के इंजन का उत्पादन करने की दिशा में पहल की गई है। रिलायंस और रॉल्स-रॉयस के बीच साझेदारी का एलान हुआ है। जानिए क्या हैं रक्षा क्षेत्र से जुड़े दोनों बड़े घटनाक्रम

टाटा और निबे के साथ रक्षा मंत्रालय ने किया समझौता

रक्षा मंत्रालय ने भारतीय सेना की ताकत को और अधिक मजबूत करने के लिए दो प्रमुख कंपनियों के साथ लगभग 1,577 करोड़ रुपये के अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए। नई दिल्ली

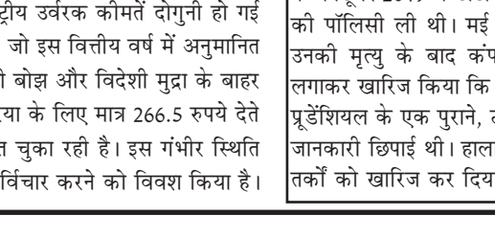

में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में शुक्रवार को हुए इस समझौते के तहत टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड और निबे प्राइवेट लिमिटेड से लोइटर म्यूनिशन सिस्टम (हाइब्रिड हथियार), गोला-बारूद और अन्य सहायक उपकरणों की खरीद की जाएगी। लोइटर म्यूनिशन सिस्टम को विशेष रूप से आर्टिलरी रेजिमेंट (तोपखाना रेजिमेंट) की मारक क्षमता को बढ़ाने और सेना की समग्र परिचालन क्षमता को सुदृढ़ करने के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण रक्षा उपकरण के रूप में विकसित किया गया है।

क्या है लोइटर म्यूनिशन सिस्टम

इसे आम बोलचाल में सुसाइड ड्रोन भी कहते हैं। यह दुश्मन के ठिकानों का सटीक पता लगाता है और मौका मिलते ही उनसे टकराकर तबाह कर देता है। इससे सेना की सटीकता और क्षमता को कई गुना बढ़ा देगी।

घरेलू रक्षा विनिर्माण क्षमताओं को प्रोत्साहन

इस पूरी खरीद को 'बाय (इंडियन)' श्रेणी के तहत फास्ट-ट्रैक प्रक्रिया के माध्यम से अंजाम दिया जा रहा है। इससे घरेलू रक्षा विनिर्माण क्षमताओं को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा।

इंडियन बैंक कारोबार विस्तार हेतु जुटाएगा 1 अरब डॉलर

- 120वीं वर्षगांठ पर नई शाखाएं व डिजिटल पहल शुरू

चेन्नई (ए.)। सार्वजनिक क्षेत्र का इंडियन बैंक अपने कारोबार विस्तार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत इस सप्ताह बाह्य वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) के माध्यम से 40 करोड़ डॉलर जुटाने के लिए तैयार है। बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बैंक की कुल योजना ईसीबी से लगभग एक अरब डॉलर और विदेशी मुद्रा प्रवासी (एफसीएनआर-बी) जमा से लगभग दो अरब डॉलर जुटाने की है, जिसमें से 1.5 अरब डॉलर पहले ही प्राप्त हो चुका है।

अगले हफ्ते 50 शेयरों में डिविडेंड से कमाई का मौका पेज इंडस्ट्रीज की बंपर आय

मुंबई (ए.)। शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए अगले सप्ताह शानदार मौका आ रहा है, जहाँ 17 से 21 अगस्त, 2026 के बीच कुल 50 कंपनियां एक्स-डिविडेंड पर ट्रेड करेंगी। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) कैलेंडर के अनुसार, ये कंपनियां निवेशकों के लिए डिविडेंड, स्टॉक स्प्लिट और बोनस इश्यू की घोषणा कर चुकी हैं। इस सूची में बैंकिंग, फाइनेंस, गैस, ऑटो और कंज्यूमर जैसे विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख कंपनियां शामिल हैं, जो निवेशकों को अच्छी कमाई का मौका देंगी।

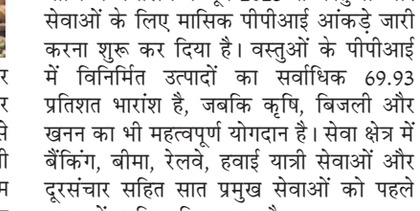

इन 50 कंपनियों ने मिलकर कुल मिलाकर प्रति शेयर लगभग 929 रुपये तक का भारी डिविडेंड घोषित किया है। विशेष रूप से, 17 अगस्त को द यमुना सिंडिकेट लिमिटेड 500 रुपये का फाइनल डिविडेंड और एसकेएफ इंडिया लिमिटेड 20 रुपये का अंतरिम डिविडेंड देगा।

बढ़ता यूरिया बिल, भारत की सब्सिडी नीति पर पुनर्विचार जरूरी

- ईरान युद्ध और वैश्विक बाधाओं से उर्वरक लागत दोगुनी, सब्सिडी बिल रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली (ए.)। भारत सरकार द्वारा यूरिया पर दी जा रही भारी सब्सिडी अब मुश्किल में है। ईरान युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईंधन और उर्वरक महंगे हो गए हैं, जिससे भारत का आयात बिल बहुत बढ़ गया है। इससे रुपये पर दबाव बढ़ा है और सरकार अपने दशकों पुराने कृषि सब्सिडी मॉडल पर दोबारा विचार करने को मजबूर हो गई है। ईरान युद्ध और वैश्विक आपूर्ति बाधाओं के कारण अंतरराष्ट्रीय उर्वरक कीमतें दोगुनी हो गई हैं। इसका सीधा असर भारत के यूरिया आयात बिल पर पड़ा है, जो इस वित्तीय वर्ष में अनुमानित 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो सकता है। यह भारी सब्सिडी बोझ और विदेशी मुद्रा के बाहर जाने से भारतीय रुपये पर दबाव बढ़ा है। किसान 45 किलो यूरिया के लिए मात्र 266.5 रुपये देते हैं, जबकि सरकार इसे खरीदने के लिए दस गुना ज़्यादा कीमत चुका रही है। इस गंभीर स्थिति ने सरकार को अपने दशकों पुराने कृषि सब्सिडी मॉडल पर पुनर्विचार करने को विवश किया है।

बीमा कंपनियों को चेतावनी, सिर्फ आरोप से क्लेम खारिज नहीं, देना होगा सबूत

नई दिल्ली (ए.)। तेलंगाना राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (टीएससीडीआरसी) ने बीमा कंपनियों के लिए एक अहम फैसला सुनाया है। अब केवल जानबूझकर जानकारी छिपाने का आरोप लगाने से डेथ क्लेम खारिज नहीं होगा, बल्कि कंपनी को यह साबित भी करना होगा। आयोग ने टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस को एक परिवार को 1 करोड़ रुपये का डेथ क्लेम ब्याज सहित चुकाने का आदेश दिया है। केंद्रीय उत्पाद शुल्क के सेवानिवृत्त अधिकारी रामदास विसलावथ ने अक्टूबर 2019 में टाटा एआईए से 1 करोड़ रुपए की पॉलिसी ली थी। मई 2021 में कोविड-19 से उनकी मृत्यु के बाद कंपनी ने क्लेम यह आरोप लगाकर खारिज किया कि उन्होंने आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल के एक पुराने, टले हुए बीमा आवेदन की जानकारी छिपाई थी। हालांकि, आयोग ने कंपनी के तर्कों को खारिज कर दिया।

सरकारी खरीद में महंगाई का नया पैमाना, डब्ल्यूपीआई की जगह पीपीआई अपनाने का निर्देश

- उत्पादक स्तर पर कीमतों का सटीक आकलन, अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के अनुरूप बदलाव

नई दिल्ली (ए.)। केंद्र सरकार ने अपनी खरीद प्रक्रियाओं में एक महत्वपूर्ण बदलाव की पहल की है। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने सभी मंत्रालयों और विभागों को भविष्य के सरकारी अनुबंधों में मूल्य-वृद्धि और दर समायोजन के लिए थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) की जगह उत्पादक मूल्य सूचकांक (पीपीआई) को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ने का निर्देश दिया है। यह कदम सरकारी ठेकों में लागत समायोजन को अधिक सटीक और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। व्यय विभाग ने पिछले माह एक कार्यालय ज्ञापन जारी कर मंत्रालयों और विभागों को पीपीआई उपलब्ध होने पर इसे

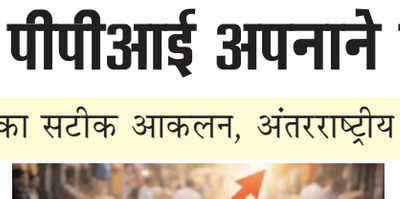

अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया था। सरकार का मानना है कि पीपीआई उत्पादक स्तर पर मूल्य परिवर्तनों को अधिक सटीक रूप से दर्शाता है और यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी व्यापक रूप से स्वीकृत सूचकांक है। यह कदम परियोजना के दौरान सामग्री, श्रम और ईंधन जैसी प्रमुख लागत में बदलाव के अनुसार भुगतान समायोजन सुनिश्चित करेगा, जिससे सरकार और ठेकेदार दोनों के लिए महंगाई के प्रभाव को साझा करने में मदद मिलेगी। भारत में वाणिज्य मंत्रालय ने जून 2023 से वस्तुओं और सेवाओं के लिए मासिक पीपीआई आंकड़े जारी करना शुरू कर दिया है। वस्तुओं के पीपीआई में विनिर्मित उत्पादों का सर्वाधिक 69.93 प्रतिशत भारांश है, जबकि कृषि, बिजली और खनन का भी महत्वपूर्ण योगदान है। सेवा क्षेत्र में बैंकिंग, बीमा, रेलवे, हवाई यात्री सेवाओं और दूरसंचार सहित सात प्रमुख सेवाओं को पहले चरण में शामिल किया गया है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

नतीजे मुद्दों से ही तय हुए

तीनों उपचुनावों में किसी समान सूत्र की तलाश करना संभव नहीं है। बल्कि यह कहना ज्यादा ठीक होगा कि उपचुनाव स्थानीय सवालों और समीकरणों पर लड़े गए और उनके नतीजे उन मुद्दों से ही तय हुए।

बिहार के बांकीपुर और मध्य प्रदेश के दतिया विधानसभा उपचुनाव नतीजों में 'कॉकरोच' आंदोलन का असर ढूंढने का लालच होना अपनी जगह ठीक है, लेकिन फिलहाल ऐसे किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। मुमकिन है कि युवा मतदाताओं का एक हिस्सा जंतर-मंतर और 20 जुलाई के संसद मार्च के दौरान जो हुआ, उससे प्रभावित हुआ हो। लेकिन इन नतीजों का विश्लेषण करते वक्त चुनावी राजनीति की पेचीदगियों को ध्यान में रखना उचित नजरिया होगा। बिहार के बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के नतीजे ने जरूर सियासी सनसनी पैदा की है, और इसे बेशक सत्ताधारी भाजपा के लिए बड़ा झटका माना जाएगा। इससे प्रशांत किशोर का चेहरा चमका है और अब लोग उनकी पार्टी को अधिक गंभीरता से लेंगे।

इस रूप में यह राष्ट्रीय जनता दल के लिए भी झटका है। प्रशांत किशोर का सारा दांव राजनीति विमर्श को सांप्रदायिक और जातीय ध्रुवीकरणों से निकालने पर टिका रहा है। वे शिक्षा, पलायन, और आर्थिक पिछड़ेपन के वो मुद्दे उठा रहे हैं, जिनसे सभी समुदाय प्रभावित हैं। इसके अलावा उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की कथित आपराधिक पृष्ठभूमि, कथित फर्जी डिग्री, और उम्मीदवारी के पर्चों में जानकारी छिपाने के आरोप को भी बड़ा मुद्दा बनाए रखा है। बांकीपुर में उनकी भारी जीत इन मुद्दों के कारगर होने का संकेत है। लेकिन एक शहरी क्षेत्र में- जहां मध्य वर्गीय मतदाता बड़ी संख्या में हैं- मिली सफलता क्या गांव-देहात तक फैल पाएगी, ये बड़ा सवाल अभी कायम है।उधर मध्य प्रदेश में दतिया सीट को कांग्रेस ने अपने पास बरकरार रखा। इस कारण इस नतीजे में बदलाव की लहर ढूंढना निराधार है। हर जीत महत्त्वपूर्ण होती है, और इस लिहाज से कांग्रेस इस पर जरूर संतोष कर सकती है। मगर असंतोष की तमाम चर्चाओं के बीच गुजरात के मंझलपुर में उसे भाजपा के हाथों करारी हार मिली। इससे पार्टी के सामने मौजूद चुनौतियां फिर जाहिर हुई हैं। कुल मिलाकर जो सूरत उभरी, उसके बीच तीनों उपचुनावों में किसी समान सूत्र की तलाश करना संभव नहीं है। बल्कि यह कहना ज्यादा ठीक होगा कि उपचुनाव स्थानीय सवालों और समीकरणों पर लड़े गए और उनके नतीजे उन मुद्दों से ही तय हुए।

80 साल का भारत,2047 की आर्थिक उड़ानः सप्त धारा से वैश्विक महाशक्ति तक-तेल रुपया, शेयर बाजार और निवेश की नई परीक्षा

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर किसी राष्ट्र के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर दिए गए संबोधन केवल औपचारिक भाषण नहीं होते। विशेषकर भारत जैसे लोकतांत्रिक,विशाल उपभोक्ता बाजार और तेजी से उभरते वैश्विक आर्थिक केंद्र के मामले में शीर्ष संवैधानिक पदों से निकला प्रत्येक बड़ा आर्थिक संकेत घरेलू उद्योग,शेयर बाजार,विदेशी निवेशकों और अंतरराष्ट्रीय नीति-निर्माताओं के लिए दिशा-सूचक बन जाता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि,लाल किले से निकली घोषणा अब बाजार, उद्योग और निवेशकों के लिए अवसर का संकेत है;लेकिन उस अवसर को वास्तविक संपत्ति में बदलने की निर्णायक कुंजी अब नीति के क्रियान्वयन, उत्पादक निवेश और आर्थिक अनुशासन के हाथ में है।15 अगस्त 2026 को भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से विकसित भारत @ 2047, शक्ति की सप्त धारा, आत्मनिर्भरता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमी कंडक्टर,परमाणु ऊर्जा,रक्षा विनिर्माण और युवाओं को केंद्र में रखा। पीएम ने अगले एक वर्ष में एक करोड़ युवाओं को कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रशिक्षण देने,सात-आठ सेमीकंडक्टर संयंत्रों को अगले एक-दो वर्षों में परिचालन में लाने और 2047 तक परमाणु ऊर्जा क्षमता को 100 गीगावॉट तक पहुंचाने जैसे बड़े लक्ष्य रखे। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भी भारत की आर्थिक मजबूती, डिजिटल अर्थव्यवस्था, युवा शक्ति, समावेशी विकास, किसानों श्रमिकों,वैज्ञानिकों और उद्यमियों की भूमिका को रेखांकित किया। राष्ट्रपति के संदेश में भारत की आर्थिक लचीलापन और दुनियाँ के वास्तविक समय के डिजिटल लेनदेन में भारत की बड़ी हिस्सेदारी को विशेष महत्व मिला। इन दोनों संबोधनों को साथ रखकर देखें तो भारत का आर्थिक संदेश बिल्कुल स्पष्ट दिखाई देता है,अगले दो दशकों में भारत को केवल बड़ी अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि उत्पादन, तकनीक, ऊर्जा, रक्षा, डिजिटल व्यवस्था और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की सटीकता से निर्णायक शक्ति बनाना है।

साथियों, शक्ति की सप्त धारा, भारत के अगले आर्थिक चक्र का खाका इसको समझने की करें तो पीएम की शक्ति की सप्त धारा में विनिर्माण,कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार, गति शक्ति, रक्षा शक्ति, हरित-नीली अर्थव्यवस्था और सॉफ्ट पावर को

विकास के सात प्रमुख आधार के रूप में सामने रखा गया। यह महज सात क्षेत्रों की सूची नहीं है,बल्कि यदि इसे नीतिगत और वित्तीय संसाधनों से जोड़ा जाता है तो यह भारत के अगले औद्योगिक चक्र की आधारभूमि बन सकती है। विनिर्माण भारत को रोजगार और निर्यात देगा, कृषि- प्रसंस्करण ग्रामीण आय तथा खाद्य निर्यात बढ़ा सकता है, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और नवाचार उत्पादकता को बदल सकते हैं,गति शक्ति लॉजिस्टिक लागत घटा सकती है, रक्षा विनिर्माण आयात निर्भरता कम करते हुए निर्यात का नया बाजार खोल सकता है और हरित-नीली अर्थव्यवस्था ऊर्जा तथा समुद्री संसाधनों को विकास के नए केंद्र में ला सकती है। इसलिए इसका प्रभाव केवल सकल घरेलू उत्पाद पर नहीं,बल्कि रोजगार चालू खाते, विनिर्माण, पूंजी निवेश और निर्यात प्रतिस्पर्धा पर भी पड़ सकता है। साथियों बात अगर हम एक करोड़ एआई-कुशल युवा: जनसंख्या से उत्पादक पूंजी की ओर इसको समझने की करें तो एक करोड़ युवाओं को अगले एक वर्ष में कृत्रिम बुद्धिमत्ता कौशल देने की घोषणा भारत की सबसे महत्वपूर्ण दीर्घकालीन आर्थिक घोषणाओं में से एक है। इसका वास्तविक महत्व इस बात में होगा कि प्रशिक्षण कितनी गुणवत्ता का है और कितने प्रशिक्षित युवाओं को वास्तविक रोजगार, उद्यमिता और उद्योग से जोड़ा जाता है।यदि भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता को केवल सूचना- प्रौद्योगिकी क्षेत्र तक सीमित न रखकर कृषि, स्वास्थ्य, विनिर्माण, बैंकिंग, शिक्षा, रक्षा और सरकारी सेवाओं में लागू करता है,तो उत्पादकता में बड़ा परिवर्तन संभव है। यही वह क्षेत्र है जहां भारत की विशाल युवा आबादी आर्थिक बोझ के बजाय वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक लाभ बन सकती है। मुफ्त ऑनलाइन प्रतियोगी परीक्षा कोचिंग की घोषणा भी इसी व्यापक सामाजिक-आर्थिक दृष्टिकोण से जुड़ती है। इसका उद्देश्य गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के शिक्षा एवं कोचिंग खर्च को कम करना है। यदि इससे प्रतिभा और अवसर के बीच की दूरी घटती है, तो इसका दीर्घकालीन प्रभाव सटिका से मानव पूंजी पर पड़ेगा।

साथियों बात कर हम सेमी कंडक्टर और परमाणु ऊर्जा: आत्मनिर्भरता से रणनीतिक स्वतंत्रता तक को समझने की करें तो, भारत की अर्थव्यवस्था के सामने सबसे बड़ी संरचनात्मक चुनौतियों में ऊर्जा और उच्च-प्रौद्योगिकी आयात निर्भरता शामिल है। ऐसे में सेमीकंडक्टर उत्पादन और 2047 तक 100 गीगावॉट परमाणु ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य केवल औद्योगिक नीति नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आर्थिक सुरक्षा की रणनीति है। प्रधानमंत्री ने सात-आठ नए सेमीकंडक्टर संयंत्रों को अगले एक-दो वर्षों में परिचालन में लाने की बात कही है। यदि भारत चिप निर्माण, महत्वपूर्ण खनिज,इलेक्ट्रॉनिक्स और उन्नत विनिर्माण का विश्वसनीय केंद्र बनता है, तो चीन प्लस वन रणनीति भारत के पक्ष में और मजबूत हो सकती है। वहीं परमाणु ऊर्जा का विस्तार आयातित जीवाश्म ईंधन पर दीर्घकालीन निर्भरता कम करने में सहायक हो सकता है। इसका अर्थ है कि ऊर्जा सुरक्षा और तकनीकी सुरक्षा को आर्थिक विकास की मुख्यधारा में सटीकता से शामिल किया जा रहा है। साथियों लेकिन दूसरी तरफ कच्चे तेल का दबाव,भारत की सबसे बड़ी बाहरी आर्थिक कमजोरी को समझने की करें तो,यहीं भारत की आर्थिक कहानी का दूसरा पक्ष सामने आता है। जुलाई 2026 में भारत का वस्तु व्यापार घाटा बढ़कर 31.98 अरब डॉलर हो गया, जो छह महीने का उच्च स्तर था। आयात 76.22 अरब डॉलर रहा, जबकि वस्तु निर्यात 44.24 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा। पश्चिम एशिया के तनाव, महंगे कच्चे तेल और ऊंची माल ढुलाई लागत ने आयात बिल पर दबाव डाला। हालांकि सेवाओं में 16.95 अरब डॉलर का अधिशेष एक महत्वपूर्ण सहारा बना हुआ है।इससे स्पष्ट है कि भारत की विकास कहानी मजबूत होते हुए भी ऊर्जा कीमतों से पूरी तरह सुरक्षित नहीं है। भारत अपनी तेल आवश्यकता का 90 प्रतिशत से अधिक आयात करता है।

नागपंचमी-मैं साँप हूँ, मुझे साँप ही रहने दें-देवता न बनाएं

लेखक-प्रो.(डा.) मनमोहन प्रकाश

नागपंचमी आते ही देश में साँपों की पूछ अचानक बढ़ जाती है। जिस

जीव को साल भर देखते ही डंडा उठ जाता है, वही सावन आते-आते नागदेवता बन जाता है। कल तक जो आवाज आती थी-卐साँप है, मारो!卐- वह नागपंचमी पर बदलकर हो जाती है-卐नागदेवता हैं, दूध चढ़ाओ!卐 बेचारा साँप भी सोचता होगा कि आखिर वह है क्या-सरीसृप, शत्रु, देवता या मौसमी वीआईपी ?साँप की अपनी कोई गलती नहीं है। वह न देवता बनने की अर्जी देता है, न मनुष्य को डराने का ठेका लेता है। वह तो बस एक सरीसृप वर्ग का जीव साँप है। उसे रेंगना आता है, शिकार करना आता है और अपनी रक्षा करना आता है। मनुष्य ने ही उसके सिर पर कभी भय का मुकुट रख दिया, कभी आस्था का। अब बेचारा साँप तय करे तो करे क्या? विडंबना देखिए कि मनुष्य साँप को देवता बनाने के लिए उसके बिल में दूध लेकर पहुँच जाता है,या फिर घर में सांप के चित्र की पूजा कर पकवान का भोग लगाता है।सांप तो विचार पकवान खाता नहीं, हां उसके नाम पर मनुष्य ने पकवान खाने का अवसर अवश्य तलाश लिया है।विज्ञान कहता है कि साँप स्तनधारी नहीं है; उसके शरीर को दूध की आवश्यकता नहीं होती। अधिकांश साँप दूध को प्राकृतिक आहार के रूप में नहीं लेते। फिर भी नागपंचमी पर दूध पिलाने की परंपरा ऐसी निभाई जाती है, मानो नागदेवता के लिए डेयरी उद्योग अलग से खुला हो। कई बार पकड़े गए या प्रदर्शित किए गए साँपों को जबरन दूध पिलाने से उनके स्वास्थ्य को नुकसान भी हो सकता है, स्वार्थी मानव यह भी भूल जाता है।और हमारी श्रद्धा भी कमाल की है। साँप को दूध पिलाएँगे, गरीब के बच्चे को नहीं, साथ ही उसके प्राकृतिक आवास को नष्ट करने में कोई संकोच भी नहीं करेंगे।

हर घर तिरंगा अभियानः राष्ट्रभक्ति का जन-जन से जुड़ता महाअभियान

तेजबहादुर सिंह भुवाल

भारत का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा केवल तीन रंगों का ध्वज नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की आस्था, सम्मान, स्वाभिमान और राष्ट्रीय चेतना का जीवंत प्रतीक है। यह उन असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, संघर्ष और बलिदान की अमर गाथा को अपने भीतर समेटे हुए है, जिन्होंने स्वतंत्र भारत का सपना साकार करने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। जब भी तिरंगा आकाश में लहराता है, प्रत्येक भारतीय का मस्तक गर्व से ऊँचा हो जाता है और हृदय राष्ट्रभक्ति की भावना से भर उठता है।

इसी राष्ट्रीय भावना को प्रत्येक नागरिक तक पहुँचाने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा हर घर तिरंगा अभियान प्रारंभ किया गया। यह अभियान आज केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि देशव्यापी जनआंदोलन का स्वरूप धारण कर चुका है। इसका मूल उद्देश्य प्रत्येक भारतीय को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान से जोड़ना तथा राष्ट्र के प्रति उसके कर्तव्यों का बोध कराना है।

हर घर तिरंगा अभियान को जन-जन तक पहुँचाने में छत्तीसगढ़ शासन ने भी महत्वपूर्ण और प्रभावी भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने इस अभियान को केवल औपचारिक कार्यक्रम तक सीमित न रखते हुए इसे जनभागीदारी का उत्सव बनाने का प्रयास किया है। शासन द्वारा सभी जिला प्रशासन, नगरीय निकायों, पंचायतों, शैक्षणिक संस्थानों तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के समन्वय से व्यापक स्तर पर अभियान संचालित किया जा रहा है।

राज्य के सभी जिलों में तिरंगा यात्राएँ, प्रभात फेरियाँ, जागरूकता रैलियाँ, सांस्कृतिक कार्यक्रम, निबंध, चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताएँ आयोजित की जा रही हैं। स्कूलों, महाविद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों, शासकीय कार्यालयों तथा सार्वजनिक संस्थानों में राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं।

स्वतंत्रता का उत्सव, जनभागीदारी का अभियान

भारत ने 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता प्राप्त की। स्वतंत्रता के बाद से प्रत्येक वर्ष स्वतंत्रता दिवस राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाया जाता रहा है, लेकिन समय के साथ यह महसूस किया गया कि राष्ट्रीय ध्वज केवल सरकारी भवनों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि प्रत्येक नागरिक के जीवन का अभिन्न हिस्सा बनना चाहिए। आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर प्रारंभ हुआ हर घर तिरंगा अभियान इसी सोच का परिणाम है। इसका उद्देश्य था कि देश का प्रत्येक परिवार अपने घर पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराकर स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को नमन करे और राष्ट्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करे। इस अभियान ने कुछ ही वर्षों में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की। करोड़ों परिवारों ने अपने घरों, दुकानों, कार्यालयों, विद्यालयों तथा संस्थानों पर तिरंगा फहराकर राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश दिया।

तिरंगे का गौरवशाली इतिहास

भारत का वर्तमान राष्ट्रीय ध्वज 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा द्वारा अपनाया गया था। इसके निर्माण में महान स्वतंत्रता सेनानी पिंगली वेंकैया का महत्वपूर्ण योगदान रहा। समय के साथ इसमें आवश्यक परिवर्तन किए गए और अंततः वर्तमान स्वरूप को राष्ट्रीय ध्वज के रूप में स्वीकार किया गया। तिरंगे का अनुपात 3:2 निर्धारित किया गया है। इसमें तीन समान क्षैतिज पट्टियाँ हैं—ऊपर केसरिया, बीच में सफेद तथा नीचे हरा रंग। सफेद पट्टी के मध्य गहरे नीले रंग का 24 तीलियों वाला अशोक चक्र अंकित है।

तिरंगे के तीन रंगों का संदेश

राष्ट्रीय ध्वज का प्रत्येक रंग अपने भीतर गहरा दर्शन समेटे हुए है। केसरिया रंग साहस, त्याग, बलिदान और निस्वार्थ सेवा का प्रतीक है। यह हमें राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा देता है। सफेद रंग सत्य, शांति, ईमानदारी और पारदर्शिता का संदेश देता है। यह जीवन में नैतिक मूल्यों का पालन करने की प्रेरणा देता है। हरा रंग समृद्धि, विकास, पर्यावरण संरक्षण तथा कृषि प्रधान भारत की पहचान का प्रतीक है। यह प्रकृति के साथ संतुलित विकास का संदेश देता है। मध्य में स्थित अशोक चक्र निरंतर प्रगति, न्याय और गतिशीलता का प्रतीक है। इसकी 24 तीलियाँ जीवन के प्रत्येक क्षण कर्म करते रहने की प्रेरणा देती हैं।

अभियान का वास्तविक उद्देश्य

हर घर तिरंगा अभियान का उद्देश्य केवल ध्वज फहराना नहीं है। इसका व्यापक लक्ष्य नागरिकों के मन में राष्ट्रीय चेतना का विकास करना है। यह अभियान बताता है कि राष्ट्र केवल सरकार से नहीं बनता, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सहभागिता से मजबूत होता है। जब प्रत्येक घर पर तिरंगा लहराता है, तब वह परिवार केवल अपने घर की पहचान नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की पहचान बन जाता है। यही भावना भारत को एक भारत, श्रेष्ठ भारत के विचार से जोड़ती है।

जनभागीदारी की अनूठी मिसाल

इस अभियान की सबसे बड़ी विशेषता इसकी जनभागीदारी है। गाँव से लेकर महानगर तक, विद्यालयों से लेकर विश्वविद्यालयों तक, सरकारी कार्यालयों से लेकर निजी संस्थानों तक तथा सामाजिक संगठनों से लेकर स्वयंसेवी संस्थाओं तक सभी ने उत्साहपूर्वक इसमें भागीदारी निभाई। विद्यालयों में प्रभात फेरियाँ, तिरंगा यात्राएँ, चित्रकला प्रतियोगिताएँ, भाषण, निबंध लेखन, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा राष्ट्रभक्ति गीतों के आयोजन किए जा रहे हैं।

मेष राशि-आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपका मन धार्मिक कार्यों की तरफ रहेगा , जिससे मन प्रसन्न होगा। आज आर्थिक लाभ पाने के लिए आपको कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी और आपको मेहनत का फल जरूर मिलेगा।

वृष राशि-आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहेगा। आज किसी काम के लिये की गई आपकी मेहनत रंग लायेगी जिससे आपको प्रसन्नता होगी। आज कार्यस्थल पर हर व्यक्ति आपकी बातों को ध्यान से सुनेगा और आपको काम में सीनियर्स का पूरा-पूरा साथ मिलेगा।

मिथुन राशि- आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। आज आप किसी ऐसे व्यक्ति से मिलेंगे जिसकी बातों से आपके जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ेगा। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख्स कल आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा। आज ऑफिस में आपका अच्छा काम देखकर सहयोगी आपसे कुछ नया सीखेंगे।

कर्क राशि- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज व्यापार में बड़ा धन लाभ होने से आप अपनी नयी ब्रांच ओपन करने का विचार घरवालों के साथ साझा करेंगे। आज आप ऑफिस प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए जीवनसाथी का सहयोग ले सकते हैं। आज प्रैक्टिकल सोच और आपके संतुलित रवैये से आपको फायदा होगा।

सिंह राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज ऑफिस में आपके ड्रेसिंग सेंस के बारे में तारीफ होगी , जिससे आपको खुशी मिलेगी। आज समाज में आपके अच्छे कामों की वजह से आपका सम्मान बढ़ेगा।

कन्या राशि- आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आप जिस काम को काफी दिनों से करने की सोच रहे थे उस काम की शुरुआत आज से कर सकते हैं। जल्द ही आपको काम के अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे।

तुला राशि-आज व्यवसाय में आपको फायदा होगा। आज ऑफिस में किसी जरूरी काम को पूरा करने के लिए किसी सहकर्मी की मदद मिलेगी। आज कोर्ट- कचहरी के मामलों से दूर रहना आपके लिए बेहतर रहेगा।

वृश्चिक राशि-आज काम पूरा होने से आपको खुशी मिलेगी। आज शाम तक आपको शुभ समाचार प्राप्त होगा, जिससे घर का माहौल खुशियों से भर जायेगा। आज आसपास के लोग आपके व्यक्तित्व से प्रसन्न होंगे। आज सोचे हुए कार्यों की गति मजबूत होगी और आज आपको धन लाभ के कई मौके मिलेंगे।

धनु राशि- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज बड़ों की सलाह आपके लिए फायदेमंद साबित होगी। आज आपका मन पूजा-पाठ में अधिक लगा रहेगा और आप परिवार के साथ किसी मंदिर में दर्शन करने जायेंगे। इस राशि के सॉफ्टवेयर इंजीनियर्स के लिए आज का दिन फेवरेबल है ,किसी मल्टीनेशनल कंपनी से जॉब के लिए कॉल आयेगी।

मकर राशि-आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप जिस भी काम को पूरा करना चाहेंगे, वो काम पूरा हो जायेगा। आज आप किसी दोस्त से मिलने उसके घर जा सकते हैं, जिससे उसे बहुत खुशी मिलेगी। आज आप नए व्यक्तियों के संपर्क में आने की कोशिश करेंगे।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आपको काम में पेरेंट्स की हेल्प मिलने से वह जल्दी ही पूरा होगा। आज आप सबके साथ बैठकर खुलकर बात करेंगें , इससे रिश्तों में अपनापन बना रहेगा।

मीन राशि- आज आपका दिन रोज की अपेक्षा लाभ देने वाला रहेगा। आज आपकी मुलाकात आपके बचपन के मित्र से होंगी ,जिससे बचपन की यादें ताज़ा हो जाएगी। आज आपका पेंडिंग वर्क पूरा हो जायेगा , जिससे आपको सुकून मिलेगा। इस राशि के जो युवा खेल कूद में इंटरेस्ट रखते है, उनका दिन आज अच्छा रहेगा।

एमएसएमई तंत्र को मजबूत करने के लिए सुधारों का अगला चरण

जीतन राम मांझी

संसद के दोनों सदनों द्वारा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक, 2026 का पारित होना, एमएसएमई के लिए भारत के कानूनी ढांचे को तेज़ी से बदलते तंत्र के अनुकूल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मूल अधिनियम के बाद से पिछले दो दशकों में, लाखों उद्यम औपचारिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा बने हैं और एमएसएमई राष्ट्रीय विकास, निर्यात और रोज़गार सृजन में अहम योगदान देने वाले बन गए हैं। इस संशोधन का उद्देश्य एमएसएमई इकोसिस्टम को ज़्यादा संवेदनशील और भरोसे पर आधारित बनाना है। इससे पंजीकरण आसान होगा, वर्गीकरण बेहतर होगा, ऋण तक पहुंच और समय पर भुगतान आसान होगा, विवादों का निपटारा डिजिटल और तेज़ होगा और नियमों का पालन आसान होगा।

इस संशोधन में उद्यमों के मुफ्त और स्वैच्छिक पंजीकरण के लिए एक राष्ट्रीय डिजिटल प्लेटफॉर्म का प्रावधान किया गया है। इससे कई तरह की बाधाएं दूर होंगी और सरकार को बेहतर तरीके से लाभ पहुंचाने में भी मदद मिलेगी। अधिनियम के तहत पंजीकरण एक पात्रता है, जिसका दावा कोई भी कंपनी कर सकती है, यह कोई बाध्यता नहीं है।

यह संशोधन संयंत्र, मशीनरी या उपकरणों में निवेश और कारोबार के संयुक्त मानदंडों के आधार पर उद्यमों के वर्गीकरण के लिए एक स्पष्ट फ्रेमवर्क प्रदान करता है। इस वर्गीकरण से फ्रेमवर्क को प्रौद्योगिकी, लागत, बाजार और व्यवसाय मॉडल में आने वाले बदलावों के अनुसार तेज़ी से ढाला सकता है और यह केंद्र सरकार को अधिसूचना के माध्यम से इसकी सीमाओं को निर्धारित करने का अधिकार देता है।

ज़्यादातर एमएसएमई के लिए सबसे बड़ी चिंता नियमित नकद प्रवाह की होती है, क्योंकि किसी छोटे उद्यम का एक भी भुगतान न मिलने का व्यापक असर कर्मचारियों के समय पर वेतन, कच्चे माल की खरीद और अगले ऑर्डर को स्वीकार करने पर पड़ता है, जिससे भुगतान में देरी होने से कंपनी के काम करने और आगे बढ़ने की क्षमता पर बुरा असर पड़ सकता है। इसलिए इस संशोधन में इस समस्या को तीन चरणों - रोकथाम, समाधान और कार्यान्वयन के माध्यम से दूर करने की कोशिश की गई है।

रोकथाम: यह केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए ट्रेड्स (टीआरइडीएस) के माध्यम से एमएसएमई से संबंधित रसीद (इनवॉइस) के भुगतान और जानकारी देने को अनिवार्य बनाकर पारदर्शिता लाता है। राज्य सरकारें भी यही नियम अपने राज्य के सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों पर लागू कर सकती हैं। भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा विनियमित एक डिजिटल प्लेटफॉर्म होने के नाते, ट्रेड्स एक स्वीकृत इनवॉइस के आधार पर बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों से तुरंत वित्तपोषण प्राप्त करने की सुविधा देता है। इससे आपूर्तिकर्ता को अग्रिम भुगतान मिल जाता है, जबकि खरीदार तय तिथि पर बैंक या वित्तीय संस्थान को भुगतान चुकता करता है। इस प्रकार, रिसिवेबल्स (मिलने वाली रकम) आपूर्तिकर्ता के लिए लिक्विडिटी का ज़रिया बन जाता है, जिससे कंपनी को अपने कामकाज का प्रबंधन करने, बिलों का भुगतान करने और व्यवसाय को आगे बढ़ाने में आसानी होती है।

समाधान: यह इस अधिनियम के विवाद-समाधान फ्रेमवर्क को और अधिक मजबूत करता है। यह राज्य सरकारों को मध्यस्थता और सुलह के लिए अतिरिक्त सूक्ष्म और लघु उद्यम सुविधा परिषदों (एमएसइएफसी) की स्थापना करने में सक्षम बनाता है। यह मध्यस्थता और सुलह के लिए समय-सीमा निर्धारित करता है तथा ऑनलाइन विवाद-समाधान को वैधानिक मान्यता प्रदान करता है। इससे मामलों का तेजी से निपटारा होगा और एक ऐसी व्यवस्था तैयार होगी जिससे कंपनी प्रक्रिया और समय-सीमा की निश्चितता के साथ अपने जायज़ दावों को पेश कर सकेगी।

कार्यान्वयन: सुविधा परिषदों द्वारा दिए गए निर्णय के तहत मिलने वाली रकम को ज़मीन के लगान की बकाया राशि की तरह वसूला जा सकता है। यदि कोई खरीदार किसी फैसले को अदालत में चुनौती देना चाहता है, तो उसे तय राशि का 75 प्रतिशत अदालत में जमा कराना होगा और यदि वह चुनौती छह महीने तक लंबित रहती है, तो अदालत उस जमा राशि में से आधी राशि आपूर्तिकर्ता को जारी कर सकती है। इस प्रकार, लंबे समय तक चलने वाली मुकदमेबाजी के कारण जायज दावों को खारिज नहीं किया जा सकेगा और अदालत में बीतने वाला समय अब केवल खरीदार के पक्ष में नहीं होगा।यह संशोधन उद्यमों के लिए अनुपालन के प्रति अधिक संतुलित और विश्वास-आधारित दृष्टिकोण की दिशा में बदलाव को भी दर्शाता है। छोटे-मोटे उल्लंघन के लिए अब पहली बार में केवल चेतावनी दी जाएगी और अपराध दोहराए जाने पर अलग-अलग आर्थिक जुर्माने लगाए जा सकते हैं। नियमों के पालन की प्रक्रिया को ज़्यादा अनुमान लगाने लायक और आसान बनाकर, कंपनियाँ अब अपनी ऊर्जा अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने पर लगा सकती हैं। इससे व्यवसाय करने में सुगमता (ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस) और विश्वास-आधारित शासन को बढ़ावा मिलेगा।

K K

राष्ट्रीय समाचार

सोमवार 17 अगस्त 2026,सीहोर

दैनिक क्षितिज किरण 5

अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर प्रधानमंत्री मोदी ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री ने अटल जी को असाधारण दूरदृष्टि से संपन्न महान राजनेता बताते हुए कहा कि उन्होंने अपना पूरा जीवन राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित कर दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी के विचारों और प्रयासों ने कई पीढ़ियों को प्रेरित किया है। उनके नेतृत्व ने देश को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि अटल जी का सुशासन और जनकल्याण पर केंद्रित दृष्टिकोण आज भी देश का मार्गदर्शन करता है और आगे भी प्रेरणा देता रहेगा।

प्रधानमंत्री ने सामाजिक माध्यम 'एक्स' पर एक संदेश में कहा, अटल जी को उनकी पुण्यतिथि पर स्मरण कर रहा हूँ। अद्भुत दूरदृष्टि वाले एक असाधारण राजनेता, उन्होंने अपना पूरा जीवन हमारे राष्ट्र की सेवा में समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी के विचारों और प्रयासों ने पीढ़ियों को प्रेरित किया तथा उनके नेतृत्व ने राष्ट्र को सुदृढ़ बनाया। प्रधानमंत्री ने उनके सुशासन और जनकल्याण पर केंद्रित दृष्टिकोण को देश के लिए सदैव मार्गदर्शक बताया। अटल बिहारी वाजपेयी देश के तीन बार प्रधानमंत्री रहे। अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में उन्होंने भारतीय राजनीति और लोकतांत्रिक व्यवस्था पर गहरी छाप छोड़ी। उनकी राजनीतिक दूरदृष्टि, प्रभावशाली वक्तृत्व शैली और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने वाली सोच के लिए उन्हें व्यापक रूप से स्मरण किया जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने पुण्यतिथि के अवसर पर अटल जी के राष्ट्र निर्माण में योगदान को याद करते हुए उनके प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की।

भाजपा नेताओं ने पुण्यतिथि पर अटल बिहारी वाजपेयी को दी श्रद्धांजलि, मरांडी बोले- उनके विचार हमेशा प्रेरणा देते रहेंगे

रांची (आरएनएस)। पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर रविवार को झारखंड विधानसभा परिसर में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने वाजपेयी को देश का 'अजातशत्रु' बताते हुए कहा कि सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, सभी उनका सम्मान करते थे। उन्होंने कहा कि झारखंड राज्य के गठन का श्रेय अगर किसी एक व्यक्ति को दिया जा सकता है तो वह अटल बिहारी वाजपेयी हैं। मरांडी ने कहा कि वाजपेयी ने झारखंड की अलग राज्य की लंबे समय से चली आ रही मांग को समझा और उनके नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने झारखंड के गठन का रास्ता साफ किया। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी का राजनीतिक जीवन देश के लिए प्रेरणादायक रहा और उन्होंने मतभेदों के बावजूद सभी को साथ लेकर चलने की परंपरा कायम की। भाजपा विधायक नवीन जायसवाल ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी केवल लोकप्रिय राजनेता ही नहीं, बल्कि एक संवेदनशील कवि भी थे। उनके भाषण सुनने के लिए लोग स्वत: जुटते थे। लोग पैदल और साइकिल से भी उनके विचार सुनने पहुंचते थे। उन्होंने कहा कि राजनीति में कई नेता आए, लेकिन वाजपेयी जैसा समर्पित नेता विरले ही देखने को मिलता है। उन्होंने जीवनभर लोगों को जोड़ने का प्रयास किया।

पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने भी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने लिखा कि वाजपेयी भारतीय राजनीति में सुचिता और प्रामाणिकता के सशक्त हस्ताक्षर थे। वे कार्यकर्ताओं के पथदर्शक, प्रखर वक्ता, कुशल प्रशासक और बेहतरीन कवि थे।

रघुवर दास ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि अटल जी के विचार और सिद्धांत हमेशा मार्गदर्शन करते रहेंगे। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में भाजपा के संगठन मंत्री कर्मवीर सिंह, रांची की मेयर रोशनी खलखो, महानगर भाजपा अध्यक्ष वरुण साहू सहित कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अखिलेश ने राम मंदिर चढ़ावे के मुद्दे पर वीडियो गीत के जरिए साधा निशाना, कहा भाजपा के पाप का पैसा नहीं चाहिए

लखनऊ (आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक बार फिर राम मंदिर से जुड़े चढ़ावे और दान की राशि को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है। अखिलेश ने रविवार को सोशल मीडिया मंच पर एक वीडियो गीत साझा करते हुए भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए और लोगों से कथित तौर पर मंदिर के नाम पर लिए जाने वाले पैसे को स्वीकार नहीं करने की अपील की। वीडियो गीत में राम मंदिर, धर्म-दान पात्र और भाजपा को लेकर कई तीखे सवाल उठाए गए हैं। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने वीडियो के साथ लिखा है कि राम जी से घात का पैसा, धर्म-दान पात्र का पैसा, भाजपा के पाप का पैसा नहीं चाहिए। वीडियो गीत के माध्यम से उन्होंने भाजपा पर मंदिर की आस्था और चढ़ावे से जुड़े धन को लेकर सवाल उठाए हैं। अखिलेश ने अपने वीडियो संदेश में लोगों से कहा है कि यदि भाजपा की ओर से कोई पैसे का लालच दिखाए तो उससे सवाल किया जाए कि मंदिर का पैसा क्यों चुराया गया और मंदिर की प्रतिष्ठा क्यों गिराई गई।

अखिलेश यादव द्वारा साझा किए गए वीडियो गीत का पूरा कंटेंट इस प्रकार है- राम जी से घात का पैसा धर्म-दान पात्र का पैसा भाजपा के पाप का पैसा नहीं चाहिए। नहीं चाहिए ऐसा पैसा। ऐसा पैसा नहीं फलेगा, ज़्यादा दिन नहीं चलेगा। जब भाजपा से कोई आए पैसे का लालच दिखलाए तो बैठाकर पूछो- क्यों चुराया मंदिर का मान?

विकसित भारत के लाभार्थी देश के युवा, दिमागी नक्सलियों से रहे सावधान : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (ए.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को लाल किले की प्राचीर से 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने के लिए विकास को रफ्तार देने का आह्वान किया। उन्होंने इसके लिए सप्तशक्ति को बढ़ाने पर जोर दिया। सप्तशक्ति में उत्पादन, कृषि और खाद्य प्रसंस्करण, तकनीक और नवाचार, गति शक्ति, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता, हरित अर्थव्यवस्था और भारत की सॉफ्ट पावर शामिल हैं। इसके साथ ही उन्होंने दिमागी नक्सलियों से सावधान रहने की अपील करते हुए कहा कि देश के युवाओं को विकसित भारत के लक्ष्य से जोड़ना जरूरी है। राष्ट्र आज अपना 80वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है। इस दौरान प्रधानमंत्री ने लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र के नाम संबोधन में सपनों को संकल्प, संकल्प को सामर्थ्य और सामर्थ्य को सफलता में बदलने की बात कही। करीब सवा घंटे के भाषण में प्रधानमंत्री ने पिछले 12 वर्षों में सरकार की ओर से हासिल उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने आत्मनिर्भरता की दिशा में किए गए प्रयासों को सबसे महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इनके परिणामस्वरूप ही देश पश्चिम एशिया जैसे संकट के दौरान भी मजबूत बना रहा । उन्होंने कहा कि आज दुनिया वैश्वीकरण के मोहजाल से बाहर निकलकर आपूर्ति श्रृंखला को

हथियार बना रही है। ऐसे में देश का आत्मनिर्भर बनना और भी आवश्यक हो जाता है। इसी दिशा में तेल और खनिज भंडारों की खोज के लिए सरकार ने 85 हजार करोड़ रुपये के साथ 'समुद्र मंथन' योजना की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि सोच की दरिद्रता के कारण ही अब तक समुद्र के 99 प्रतिशत क्षेत्र में खनिज खोज पर विचार ही नहीं किया गया था। उन्होंने कहा, सस्ता और आसानी से उपलब्ध विदेशी सामान तत्काल सुविधा दे सकता है, लेकिन इससे देश की अपनी क्षमता विकसित नहीं होती। इसलिए आत्मनिर्भर भारत का संकल्प जरूरी है।

प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि पश्चिम एशिया संकट के समय कुछ लोग देश को डराने में आनंद ले रहे थे, लेकिन देश ने देख लिया कि पिछले 10 से 12 वर्षों की सुविचारित योजनाएं काम आ रही हैं। इसी के चलते देश पेट्रोल, डीजल और यूरिया की कमी के संकट से बच रहा। उन्होंने कहा कि दुनिया में यूरिया की कीमत करीब 3,000 रुपये प्रति बोरी तक पहुंचने के बावजूद भारतीय किसानों को यह 300 रुपये में उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा, वैक्सीन नहीं मिलेगी, कोविड में लोग बचेंगे नहीं, कुछ भी नहीं होने वालाज वेस्ट एशिया का क्राइसिस आया, पेट्रोल पंप पर पेट्रोल नहीं मिलेगा, गैस नहीं मिलेगी, डीजल नहीं मिलेगा, फर्टिलाइजर नहीं मिलेगा... दुनिया भर की अफवाहें फैला कर भारत के लोगों को भयभीत करने का, डराने का, चिंता के अंदर डुबो देने का, कुछ लोगों को आनंद आ रहा था।लेकिन देश ने देख लिया कि पिछले 10-12 साल की सुविचारित योजनाएं रंग ला रही हैं।

बंगाल के पूर्व मंत्री और टीएमसी नेता आशीष बनर्जी का पार्टी कार्यालय में फंदे से लटका मिला शव, सुसाइड नोट बरामद

रामपुरहाट,(आरएनएस)। पश्चिम बंगाल की सियासत से रविवार की सुबह एक बेहद स्तब्ध कर देने वाली खबर सामने आई है। तृणमूल कांग्रेस के दिग्गज नेता, राज्य के पूर्व मंत्री और विधानसभा के पूर्व डिप्टी स्पीकर आशीष बनर्जी का निधन हो गया है। उनका शव बीरभूम जिले के रामपुरहाट स्थित उनके आवास के ठीक पास बने पार्टी कार्यालय में फांसी के फंदे से झूलता हुआ मिला। इस हाई-प्रोफाइल घटना ने पूरे राज्य में हड़कंप मचा दिया है और टीएमसी खेमे में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस मौके पर पहुंच चुकी है और मामले की गहनता से तफ्तीश की जा रही है। स्थानीय प्रशासन और पुलिस को जैसे ही इस दर्दनाक घटना की सूचना मिली, वे तुरंत मौके पर पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। मीडिया को दी गई प्राथमिक जानकारी में पुलिस ने बताया है कि घटनास्थल यानी पार्टी कार्यालय से एक कथित सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है। हालांकि, सुसाइड नोट में क्या लिखा है, इसका खुलासा अभी जांच एजेंसियों ने नहीं किया है, लेकिन पुलिस हर एंगल से इस मौत की गुत्थी सुलझाने में जुट गई है।आशीष बनर्जी के भाई प्रशांत बनर्जी ने इस खौफनाक वाकये की जानकारी देते हुए बताया कि उन्हें सबसे पहले अनहोनी की आशंका कैसे हुई। प्रशांत के मुताबिक, पार्टी दफ्तर के दरवाजे में एक छोटा सा छेद था, जिससे अंदर झांकने पर उन्हें एक रस्सी लटकती हुई दिखाई दी। इस खौफनाक मंजर को देखकर उन्होंने तुरंत परिवार के अन्य सदस्यों को इकट्ठा किया और पुलिस को सूचना दी।

डीआरआई ने सुपारी आयात में साफ्टा के बड़े पैमाने पर दुरुपयोग का किया खुलासा

बांग्लादेश का मूल देश बताकर दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों से सुपारी मंगाने वाले गिरोह का भंडाफोड़

नई दिल्ली(आरएनएस)। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों से सुपारी आयात कर उसे बांग्लादेशी मूल की बताकर दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र (साफ्टा) के तहत मिलने वाली सीमा शुल्क छूट का कथित रूप से बड़े पैमाने पर दुरुपयोग करने वाले एक संगठित नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। कई महीनों तक चली जांच में अब तक सरकारी खजाने को 2,500 करोड़ रुपये से अधिक के संभावित सीमा शुल्क राजस्व नुकसान का पता चला है। मामले में नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। लाख रुपये नकद और करीब 160 मीट्रिक टन सुपारी की एक खेप जब्त की गई है। जांच में सामने आया है कि गिरोह इंडोनेशिया, थाईलैंड, मलेशिया और अन्य दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों से सुपारी मंगाकर उसका मूल देश बांग्लादेश घोषित करता था और इसके बाद साफ्टा के तहत मिलने वाली शुल्क छूट का कथित रूप से गलत लाभ उठाकर भारत में उसका आयात करता था।भारत में सुपारी के आयात पर सामान्यत: 100 प्रतिशत मूल सीमा शुल्क लगाया जाता है। हालांकि, साफ्टा के तहत निर्धारित शर्तों को पूरा करने वाले पात्र उत्पादों को सीमा शुल्क में पूर्ण छूट मिल सकती है।बांग्लादेश से आयातित सुपारी भी साफ्टा के तहत शुल्क छूट के लिए पात्र हो सकती है, बशर्ते वह निर्धारित मूल नियमों और संबंधित मानदंडों को पूरा करती हो। डीआरआई की जांच में आरोप है कि इसी प्रावधान का सुनियोजित तरीके से दुरुपयोग किया गया।दक्षिण-पूर्व एशियाई सुपारी को बांग्लादेशी बताकर भारत भेजाजांच से पता चला कि कुछ गिरोह दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों से आयात की गई सुपारी को भारत में बांग्लादेशी मूल की बताकर घोषित कर रहे थे। इसके बाद कोलकाता और विशाखापत्तनम में आयातकों, सीमा शुल्क दलालों और आयात-निर्यात कोड धारकों से जुड़े कई परिसरों में एक साथ तलाशी अभियान चलाया गया।

एनआईईएलआईटी ने 'साइबर कुश्ती-2026' का किया शुभारंभ

नई दिल्ली, (आरएनएस)। राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईईएलआईटी) ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को 'साइबर कुश्ती-2026' का शुभारंभ किया। भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन आयोजित यह राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित हैकाथॉन प्रतिभागियों की तकनीकी खामियां खोजने की गति के बजाय सुरक्षा संबंधी सही निर्णय लेने, उन्हें प्राथमिकता देने और अपने निर्णय का तर्क प्रस्तुत करने की क्षमता को परखेगा।

इस प्रतियोगिता का शुभारंभ एनआईईएलआईटी के महानिदेशक एवं एनआईईएलआईटी डीम्ड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) एम. एम. त्रिपाठी ने किया। 'साइबर सुरक्षा, डिजिटल फोरेंसिक और इंटेलिजेंस पर राष्ट्रीय सम्मेलन-2026' के आधिकारिक समानांतर तकनीकी कार्यक्रम के रूप में शुरू की गई इस प्रतियोगिता का आयोजन राष्ट्रीय सुरक्षा डेटाबेस के तहत सूचना साझाकरण एवं विश्लेषण केंद्र फाउंडेशन के सहयोग से किया जा रहा है। सीईआरटी-इन इसमें ज्ञान सहयोगी के रूप में शामिल है।

'साइबर कुश्ती-2026' के लिए पंजीकरण 15 अगस्त से शुरू हो चुका है और 10 सितंबर 2026 तक जारी रहेगा। प्रतियोगिता में भाग लेना नि:शुल्क है। इसमें विद्यार्थी और स्वतंत्र शोधकर्ता तीन-तीन सदस्यों की टीम बनाकर हिस्सा ले सकते हैं।

केवल कमजोरियां खोजने के बजाय सही निर्णय पर जोर

आमतौर पर साइबर सुरक्षा प्रतियोगिताओं में कमजोरियां खोजने अथवा 'कैप्चर द फ्लैग' जैसी चुनौतियों पर अधिक जोर रहता है। इसके विपरीत 'साइबर कुश्ती-2026' को इस तरह तैयार किया गया है कि प्रतिभागियों की सुरक्षा संबंधी निष्कर्षों का मूल्यांकन करने, उन्हें प्राथमिकता देने, गलत निष्कर्षों को खारिज करने और अपने निर्णय का बचाव करने की क्षमता की परीक्षा हो सके।

रेलवे के पानी में 'मल' वाला बैक्टीरिया, नई दिल्ली-हावड़ा समेत बड़े स्टेशनों की कैग रिपोर्ट ने खोली पोल

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। भारतीय रेलवे को देश की लाइफलाइन कहा जाता है और रोजाना करोड़ों यात्री इसमें सफर करते हैं। सफर के दौरान प्यास लगने पर रेलवे स्टेशनों पर लगे वाटर कूलर का पानी पीना एक आम बात है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि जो पानी आप पी रहे हैं, वह आपके स्वास्थ्य के लिए कितना खतरनाक हो सकता है? नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की ताजा रिपोर्ट ने एक ऐसा सनसनीखेज खुलासा किया है, जिसे जानकर आप रेलवे स्टेशन का पानी पीने से पहले सौ बार सोचेंगे। 12 अगस्त को संसद में पेश की गई इस रिपोर्ट के अनुसार, देश के कई बड़े स्टेशनों पर पीने के पानी में इंसान के मल में पाया जाने वाला खतरनाक 'ई.कोलाई' बैक्टीरिया मिला है। इस खुलासे ने रेलवे के स्वच्छता दावों की पोल खोलकर रख दी है।

इन प्रमुख स्टेशनों के पानी में मिला बैक्टीरिया

सीएजी की ओर से 'भारतीय रेलवे में गैर-उपनगरीय रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाएं और स्वच्छता' शीर्षक वाली रिपोर्ट में रेलवे की घोर लापरवाही को उजागर किया गया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि दक्षिणी रेलवे के कोयंबटूर और पलक्कड़, दक्षिण मध्य रेलवे के हैदराबाद, मध्य रेलवे के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, भिवंडी रोड, कल्याण और लोनावला के साथ-साथ पूर्वी रेलवे के मधुपुर स्टेशन के वाटर कूलर से पानी के नमूने लिए गए थे। इन सभी जगहों के पानी में ई-कोलाई बैक्टीरिया की पुष्टि हुई है। चिंता की बात यह है कि साल 2022-23 के दौरान आठ जोन के करीब 49 और 2023-24 में 56 स्टेशनों के पानी में भी यह जानलेवा बैक्टीरिया पाया गया था।

रेल मंत्रालय के मानकों पर फेल हुए 458 स्टेशन

रेल मंत्रालय द्वारा यात्रियों की सुरक्षा और सुविधाओं के लिए जो कड़े मानक और दिशा-निर्देश तय किए गए हैं, रेलवे के विभिन्न जोन उनका पालन करने में पूरी तरह से नाकाम साबित हो रहे हैं। सीएजी के ऑडिट में यह बात सामने आई है कि 512 स्टेशनों की गहन जांच करने पर उनमें से 458 स्टेशन रेलवे बोर्ड की गाइडलाइंस पर खरे नहीं उतरे। इन स्टेशनों पर न्यूनतम आवश्यक सुविधाएं (MEA) या तो सिरे से नदारद थीं या फिर तय मानकों से बहुत कम थीं। पीने के साफ पानी की कमी के साथ-साथ शौचालयों में भी भयंकर गंदगी पाई गई है, जो सीधे तौर पर यात्रियों की सेहत से खिलवाड़ है।

नई दिल्ली और हावड़ा जैसे वीआईपी स्टेशनों का भी बुरा हाल

सिर्फ छोटे स्टेशन ही नहीं, बल्कि देश के सबसे व्यस्त और ह्रस्त-1 कैटेगरी में आने वाले वीआईपी स्टेशनों का हाल भी बेहाल है। रिपोर्ट के मुताबिक नई दिल्ली, सियालदह, हावड़ा, मुंबई सेंट्रल और सीएसएमटी जैसे बड़े स्टेशनों पर साफ-सफाई और यात्रियों के बैठने तक की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है।

विमल के चक्कर में फंसे बॉलीवुड के 3 बड़े सुपरस्टार, एफडीए ने थमाया नोटिस; लग सकता है भारी जुर्माना

मुंबई ,(आरएनएस)। 'बोलो जुबां केसरी' का नारा अब बॉलीवुड के सबसे बड़े सितारों के लिए ही मुसीबत का सबब बन गया है। विमल इलायची के एक विज्ञापन को लेकर सिनेमा जगत के तीन दिग्गज अभिनेता- शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ कानूनी पचड़े में फंस गए हैं। महाराष्ट्र के खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए इन तीनों सुपरस्टार्स को कारण बताओ नोटिस थमा दिया है। इन सितारों पर सरोगेट विज्ञापन के जरिए अप्रत्यक्ष रूप से प्रतिबंधित पान मसाले का प्रचार करने का बेहद गंभीर आरोप लगा है, जिसके बाद अब इन पर कानूनी कार्रवाई की तलवार लटक रही है।एफडीए की ओर से जारी किए गए नोटिस में यह साफ तौर पर कहा गया है कि विमल इलायची के इस विज्ञापन में इस्तेमाल किए गए ब्रांड नाम, अभिनेताओं के संवाद और प्रस्तुति का तरीका सीधे तौर पर पान मसाला से जुड़ा हुआ संदेश देते हैं। गौर करने वाली बात यह है कि महाराष्ट्र में 13 जुलाई 2026 को जारी एक आदेश के तहत राज्य में पान मसाला जैसे उत्पादों के निर्माण, भंडारण, परिवहन और बिक्री पर एक साल का पूर्ण प्रतिबंध लगा हुआ है। ऐसे में इस विज्ञापन को प्रतिबंधित उत्पाद को पिछले दरवाजे से बेचने (सरोगेट विज्ञापन) की एक कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

भ्रामक प्रचार पर लग सकता है 10 लाख रुपये तक का जुर्मानाखाद्य सुरक्षा विभाग ने इस मामले को बेहद गंभीरता से लेते हुए एफएसएसएआई के कड़े नियमों का डंडा चलाया है। एफडीए ने फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड एक्ट, 2006 की धारा 24 और 53 का हवाला देते हुए अपना कड़ा रुख स्पष्ट किया है। कानून के मुताबिक, खाद्य पदार्थों से जुड़े ऐसे किसी भी भ्रामक विज्ञापन पर सख्त रोक है जो उपभोक्ता को गुमराह करते हों। इस कानून के उल्लंघन और भ्रामक प्रचार के साबित होने पर इन अभिनेताओं को 10 लाख रुपये तक का भारी-भरकम जुर्माना भी चुकाना पड़ सकता है।ऑनलाइन और मीडिया प्लेटफॉर्म पर चल रहे विज्ञापन पर मांगा स्पष्टीकरण

विभाग द्वारा भेजे गए पत्र में बताया गया है कि विमल इलायची का यह विवादित विज्ञापन फिलहाल विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स और अन्य मीडिया माध्यमों पर धड़ल्ले से प्रसारित किया जा रहा है। इसी के मद्देनजर एफडीए ने अजय देवगन, शाहरुख खान और टाइगर श्रॉफ से विज्ञापन में उनकी भागीदारी को लेकर विस्तृत स्पष्टीकरण मांगा है। विभाग ने इन तीनों अभिनेताओं से साफ शब्दों में पूछा है कि नियमों की इस अनदेखी के लिए उनके खिलाफ खाद्य सुरक्षा कानून के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई क्यों न की जाए।

टीवीके सरकार के 100 दिन : कल्याणकारी योजनाओं और निवेश पर रहा जोर, सीएम विजय के सामने ये चुनौतियां

चेन्नई,(आरएनएस)। सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) सरकार सोमवार को सत्ता में अपने 100 दिन पूरे कर रही है। यह तमिलनाडु में द्रविड़ मुनेत्र कझगम (डीएमके) और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कझगम (एआईएडीएमके) के बारी-बारी से चले आ रहे शासन के पांच दशकों से अधिक के दौर के बाद एक बड़ा राजनीतिक बदलाव है।

एक नई राजनीतिक पार्टी टीवीके ने अप्रैल में विधानसभा चुनाव जीता और 10 मई को सरकार बनाई। विजय ने नौ मंत्रियों के साथ मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। 21 मई को कैबिनेट का विस्तार करते हुए 23 मंत्री और अगले दिन दो और मंत्री शामिल किए गए।

पद संभालने के तुरंत बाद विजय ने तीन अहम फाइलों पर दस्तखत किए। इनमें 500 यूनिट तक बिजली इस्तेमाल करने वाले घरेलू उपभोक्ताओं को हर दो महीने में 200 यूनिट मुफ्त बिजली देना, महिलाओं की सुरक्षा के लिए 'सिंगप्पेन स्पेशल टास्क फोर्स' का प्रस्ताव और 65 एंटी-नारकोटिक्स यूनिट बनाना शामिल था।

सरकार ने शिक्षण संस्थानों और पूजा स्थलों के पास 717 टीएएसएमएसी शराब की दुकानें बंद कर दीं। इसके साथ ही सरकारी कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ता 58 से बढ़ाकर 60 प्रतिशत कर दिया, अम्मा कैंटीन के नवीनीकरण का आदेश दिया और सीमांत किसानों के लिए 50,000 रुपए तक के फसल ऋण माफ करने की घोषणा की।

27 मई को नई दिल्ली की अपनी यात्रा के दौरान सीएम विजय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और मेकेदातु बांध विवाद तथा तमिलनाडु के मछुआरों की समस्याओं से जुड़ी मांगें रखीं। 9 जून को उन्होंने 'सिंगप्पेन फोर्स' की शुरुआत की और बाद में सरकारी अस्पतालों में पैदा होने वाले बच्चों के लिए सोने की अंगूठी देने की योजना की घोषणा की।

यूक्रेन का रुस पर बड़ा हमला, रोसकॉसमॉस से जुड़ा समारा सेंटर क्षतिग्रस्त

>>> राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा- रूस में शांति की जरूरत महसूस होनी चाहिए

मास्को,(ए.)। रूस के दक्षिण-पश्चिमी समारा क्षेत्र में शनिवार को यूक्रेन ने बड़ा हमला किया, जिसमें औद्योगिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया। रूस के एक अधिकारी ने बताया कि वायु रक्षा बलों ने "बड़े पैमाने पर" मिसाइल हमले को विफल कर दिया, हालांकि शहर के औद्योगिक प्रतिष्ठानों को "स्थानीय स्तर पर नुकसान" पहुंचा है। उन्होंने कहा कि हमले में घायल लोगों को चिकित्सा सहायता दी, लेकिन इसके बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन ने रूसी सैन्य उद्योगों और ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर लंबी दूरी के हवाई हमले तेज कर दिए हैं। उसका मकसद युद्ध के लिए मॉस्को के राजस्व में कटौती करना और रूस के लोगों को हमले के परिणामों का एहसास कराना है। रुस-यूक्रेन युद्ध पांचवें साला में प्रवेश कर चुका है। जेलेंस्की ने कहा कि रूस में शांति की जरूरत

महसूस होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यूक्रेनी बलों ने समारा स्थित प्रोग्रेस सेंटर पर हमला किया। यह रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रोसकॉसमॉस के तहत काम करता है और रॉकेट प्रौद्योगिकी तथा इलेक्ट्रॉनिक्स के निर्माण में शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक जेलेंस्की ने कहा कि इस प्रतिष्ठान को निशाना बनाने के लिए यूक्रेन में निर्मित फ्लेमिंगो मिसाइल का इस्तेमाल किया गया। यह स्थान यूक्रेन की सीमा से करीब 900 किलोमीटर दूर है। जेलेंस्की ने यह भी कहा कि अग्रिम मोर्चे से करीब 700 किलोमीटर दूर स्थित रूस के सावास्लेइका हवाई अड्डे को भी निशाना बनाया गया है। जेलेंस्की ने लिखा- शांति की जरूरत है और यह रूस में साफ तौर पर दिखाई देना चाहिए। विशिष्ट प्रतिष्ठानों को ठोस नुकसान के जरिए। यूक्रेन के अधिकांश हमलों की मारक क्षमता 200 किलोमीटर से कम है, लेकिन इस साल उसके लंबी दूरी के हमलों में काफी वृद्धि हुई है। स्वतंत्र संघर्ष निगरानी संस्था एसीएलईडी के आंकड़ों के मुताबिक यूक्रेन ने जुलाई में इस तरह के हमले जनवरी की तुलना में तीन गुना ज्यादा कर दिए हैं।

कोलंबिया भूकंपः मलबे से निकली उम्मीद, फिर मौत की आगोश में

कोलंबिया (ए.)। कोलंबिया में सोमवार को आए 7.4 तीव्रता के भीषण भूकंप ने अब तक 290 से अधिक लोगों की जान ली है, जबकि करीब 4,000 घायल हुए हैं। सैकड़ों लोग लापता हैं, और बचावकर्मी लगातार उनकी तलाश में जुटे हैं। इस भीषण त्रासदी के बीच, 32 वर्षीय डेनिएला लार्गो की कहानी ने पूरे देश को एक पल की उम्मीद दी थी। मलबे में करीब 37 घंटे तक फंसी रहने के बाद, उन्हें परेरा शहर में सुरक्षित बाहर निकाला गया था। उनके सकुशल निकलने पर लोगों ने तालियां बजाकर खुशी जाहिर की थी, और वे कोलंबिया के लिए एक उम्मीद की किरण बनी थीं।

हालांकि, यह खुशी अल्पकालिक साबित हुई। शुक्रवार (14 अगस्त) को गंभीर चोटों के कारण डेनिएला का निधन हो गया। वे अपने पीछे एक 12 वर्षीय बेटा छोड़ गई हैं। उनकी मां ने बताया, मैं बस

यही चाहती हूं कि यह सब जल्द खत्म हो जाए। डिजास्टर मैनेजमेंट एजेंसी के अनुसार, अभी भी 320 से अधिक लापता लोगों की तलाश जारी है। भूकंप से 86 इमारतें पूरी तरह ढह गईं, जबकि 1500 से ज्यादा घरों, 18 स्वास्थ्य केंद्रों और 52 स्कूलों को नुकसान पहुंचा है। देशभर में सात हवाई अड्डों पर परिचालन रोक दिया गया है और पांच शहरों में रेड अलर्ट जारी है।

हंगरी में भीषण सड़क हादसा; एक नींद की झपकी और पल भर में 12 लोगों की चली गई जान

हंगरी (ए.)। पोलैंड की राजधानी हंगरी में रविवार तड़के एक यात्री बस हाईवे से उतरकर सड़क किनारे खाई में जा गिरी और पलट गई। हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी।

ड्राइवर को झपकी आने से हुआ हादसा

पुलिस के मुताबिक, पोलैंड की नंबर प्लेट वाली यह बस रविवार तड़के करीब एक बजे हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट से लगभग 140 किलोमीटर पूर्व में दुर्घटनाग्रस्त हुई। बस के सड़क से उतरकर खाई में गिरने के बाद पलटने की आशंका जताई गई है। पुलिस ने कहा कि शुरुआती जांच में पता चला है कि चालक को नींद की झपकी आ जाने के कारण यह हादसा हुआ है। पोलैंड के प्रधानमंत्री पीटर मग्यार ने फेसबुक पर जारी एक बयान में कहा कि हादसे में कम से कम 10 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई और घटनास्थल पर राहत एवं बचाव कार्य में जुटे कर्मियों का आभार व्यक्त किया।

बलोचिस्तान के खारान जिले में पाकिस्तानी सैन्य हमले में किसान की मौत

इस्लामाबाद, (ए.)। पाकिस्तान की सेना ने बलोचिस्तान के खारान जिला के लाजे इलाके में बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान शुरू किया है। पाकिस्तान की थल सेना की मदद के लिए वायु सेना भी पहुंच चुकी है। सैन्य विमानों और ड्रोन से हमले किए जा रहे हैं। ऐसे ही हमले में 15 अगस्त को एक किसान की मौत हो गई।द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान का सैन्य अभियान 14 अगस्त को शुरू हुआ। सुरक्षा बलों को वायु सेना कवच प्रदान कर जेट विमानों और ड्रोन से विद्रोहियों की मौजूदगी वाले संदिग्ध इलाकों में बमबारी कर रही है। स्थानीय सूत्रों ने बताया है कि इन हमलों में हाजी मलिक उस्मान सासोली के बेटे किसान सुल्तान मोहम्मद की मौत हो गई। पाकिस्तान के सैन्य ड्रोन और हेलीकॉप्टर अभी भी मंडरा रहे हैं।

न्यूजर्सी में 1300 से ज्यादा ध्वजों से बनी 250 की आकृति के चारों ओर लगाया तिरंगा

अमेरिका में 'लारजेस्ट फ्लैगपोल नंबर' का बनाया गिनीज विश्व रिकॉर्ड

न्यूयॉर्क,(ए.)। अमेरिका के न्यूयॉर्क त्रि-राज्यीय क्षेत्र में भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह का समापन उस समय विश्व रिकॉर्ड के साथ हुआ जब अमेरिका की 250वीं वर्षगांठ के सम्मान में 1300 से ज्यादा अमेरिकी ध्वजों को '250' की आकृति में सजाया गया और उनके चारों ओर भारतीय तिरंगे लगाए गए। न्यूयॉर्क त्रि-राज्यीय क्षेत्र से आशय न्यूयॉर्क शहर और उसके आसपास के उस विस्तृत महानगरीय क्षेत्र से है, जो न्यूयॉर्क, न्यूजर्सी और कनेक्टिकट प्रांतों में फैला है।

भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस और अमेरिका की 250वीं वर्षगांठ के संयुक्त समारोह में शनिवार को न्यूजर्सी के पार्सिपनी स्थित वेटरन्स मेमोरियल पार्क में 'लारजेस्ट फ्लैगपोल नंबर' का गिनीज विश्व रिकॉर्ड बनाया गया। न्यूयॉर्क स्थित भारत के महावाणिज्य दूतावास ने प्रवासी भारतीय संगठन 'फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन्स न्यूयॉर्क-न्यूजर्सी-न्यू इंग्लैंड' के साथ मिलकर इस कार्यक्रम का नेतृत्व किया। भारतीय प्रौद्योगिकी कंपनी जोहो ने इसमें सहयोग दिया।

आयोजकों की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि भारत की स्वतंत्रता के 80 वर्ष और अमेरिका की स्थापना के 250 साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम भारत-अमेरिका मित्रता और दोनों देशों के लोगों को करीब लाने में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के निरंतर योगदान की यादगार अभिव्यक्ति था। भारत के स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर न्यूयॉर्क त्रि-राज्यीय क्षेत्र और अमेरिका के अन्य हिस्सों में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें यह आयोजन भी शामिल था।

भारतीय महावाणिज्य दूत ने दोनों देशों के बीच बढ़ती साझेदारी और आर्थिक, सांस्कृतिक और लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने में भारतीय समुदाय की भूमिका पर जोर दिया। बयान में कहा गया कि गिनीज विश्व रिकॉर्ड ने दोनों देशों के बीच सेतु के रूप में प्रवासी भारतीय समुदाय की भूमिका को भी रेखांकित किया है। 'फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन्स' की ओर से टाइम्स स्क्वायर पर आयोजित वार्षिक समारोह में तिरंगा फहराया गया।

इजरायल की राजधान जेरुसलम में भारी बारिश और बाढ़ के कारण पानी में फंसी एक कार को निकलते हुए लोग।

चीन अपने प्रोडक्ट्स को भारत के रास्ते अमेरिकी बाजारों में पहुंचा रहा

-व्हाइट हाउस की रिपोर्ट में दावा- टैरिफ से बचने अपनाया यह रास्ता

वाशिंगटन(ए.)। अमेरिकी टैरिफ से बचने के लिए चीनी प्रोडक्ट्स को भारत के रास्ते अमेरिकी बाजारों में पहुंचाया जा रहा है। यह दावा व्हाइट हाउस की रिपोर्ट में किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक चीन से आने वाले सामान या पार्ट्स को पहले भारत समेत दूसरे एशियाई देशों में भेजा जाता है। वहां उन्हें प्रोसेस, असेंबल या किसी दूसरे प्रोडक्ट में इस्तेमाल किया जाता है। इसके बाद तैयार सामान को अमेरिका भेजा जाता है। अमेरिकी प्रशासन का आरोप है कि इससे चीन पर लगाए गए टैरिफ से बचने का रास्ता मिल सकता है। रिपोर्ट में इसके लिए दुनिया भर में ट्रेड रूट्स का नेटवर्क बनने की बात कही गई है। भारत के पुणे, गुजरात और चेन्नई को चीन से आने वाले सामान के एक अहम रास्ते के तौर पर बताया गया है। रिपोर्ट में यहां बनने वाले इंडस्ट्रियल पंप और कंप्रेसर में चीनी पार्ट्स का इस्तेमाल होने की संभावना का खास तौर पर जिक्र किया गया है। चीनी सामान को तीसरे देशों के जरिए अमेरिका भेजने के लिए इस्तेमाल हो रहे रूट नेटवर्क को रिपोर्ट में 'अग्ली सिस्टर सिटीज' कहा गया है। रिपोर्ट के मुताबिक इसका मतलब शहरों की सुंदरता या बदसूरती से नहीं है। यह शब्द अलग-अलग देशों के ऐसे औद्योगिक शहरों के लिए इस्तेमाल किया गया है, जहां एक जैसे प्रोडक्ट बनते हैं और वे अमेरिकी बाजार में एक-दूसरे से मुकाबला करते हैं।

फीचर

मीनाक्षी ने पोस्ट किया गाना बहुत जताते हो, चाह हमसे, यादें हुईं ताजा

मुंबई (ए.)। सोशल मीडिया के माध्यम से अभिनेत्री मीनाक्षी शेषाद्रि ने अपनी फिल्म आदमी खिलौना है के दिनों को याद किया। इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा करते हुए

अभिनेत्री ने इस फिल्म में फिल्माए गए गाने बहुत जताते हो, चाह हमसे के पीछे की कहानी भी बताई। वीडियो में वे इस गाने पर बेहद शानदार एक्सप्रेशंस और डांस मूव्स के साथ प्रस्तुति दे रही हैं। उनके इस वीडियो ने फैंस को पुराने दिनों का एहसास करवा दिया और उन्हें अतीत की सुनहरी यादों में खो जाने का मौका दिया। अभिनेत्री ने वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, यह बहुत ही खूबसूरत रोमांटिक गाना है। यह गाना मेरी फिल्म आदमी खिलौना है से लिया गया है। महाबलेश्वर की हसीन वादियों में इस गाने को फिल्माया गया था। नदीम श्रवण का ये गीत बेहद पसंद किया गया। इसे दोबारा फिल्माने में बहुत मजा आया। मीनाक्षी के इस प्रयास ने उनके प्रशंसकों को भावुक कर दिया और उन्हें 90 के दशक के लोकप्रिय संगीत और सिनेमा की यादें ताजा करने का अवसर मिला।

गाना बहुत जताते हो, चाह हमसे साल 1993 की बॉलीवुड फिल्म आदमी खिलौना है का एक बेहद प्रसिद्ध रोमांटिक गाना है। इस गाने को मशहूर गायक मोहम्मद अजीज और अलका याग्निक ने अपनी सुरीली आवाज़ दी थी, और इसके बोल समीर ने लिखे थे। इसका संगीत उस दौर की प्रसिद्ध जोड़ी नदीम-श्रवण ने तैयार किया था, जिन्होंने कई यादगार धुनें दीं। यह गाना प्यार, अपनेपन और दिल की गहराइयों में छिपे जज्बातों को बयां करता है। इसके बोल प्रेमी-प्रेमिका के बीच के मीठे अहसासों, शिकायत और एक-दूसरे के साथ जीने की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। 90 के दशक का यह मेलोडी सॉन्ग आज भी अपने कर्णप्रिय संगीत और भावनाओं से भरे बोलों के लिए पसंद किया जाता है। 1993 में रिलीज हुई पारिवारिक और भावनात्मक हिंदी ड्रामा फिल्म आदमी खिलौना है का निर्देशन जे. ओम प्रकाश ने किया था। इस फिल्म में जितेंद्र, गोविंदा, रीना रॉय और मीनाक्षी शेषाद्रि ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं। फिल्म की कहानी पारिवारिक त्याग और रिश्तों के ताने-बाने पर आधारित है। विजय (जितेंद्र) और गंगा (रीना रॉय) एक खुशहाल जोड़ा है, जो विजय के छोटे भाई शरद (गोविंदा) के साथ रहता है। जब यह पता चलता है कि शरद की पत्नी पूनम (मीनाक्षी शेषाद्रि) बच्चे को जन्म नहीं दे सकती, तब गंगा एक बड़ा त्याग करती है और अपना बच्चा पूनम को सौंप देती है।

मलयालम फिल्मों के सितारे निन पाउली के साथ नजर आएगी रुक्मिणी

मुंबई (ए.)। जल्द ही अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत मलयालम फिल्मों के सितारे निन पाउली के साथ परदे पर नजर आएगी। अभिनेत्री ने अपनी अगली फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है, जिससे उनकी बढ़ती हुई फिल्मोग्राफी में एक और रोमांचक परियोजना जुड़ गई है। हाल ही में रुक्मिणी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म के क्लैपबोर्ड की एक झलक साझा करते हुए आधिकारिक तौर पर शूटिंग शुरू होने की घोषणा की। यह फिल्म फिलहाल एनपी51 के नाम से जानी जा रही है। सेट से एक झलक साझा करते हुए, रुक्मिणी ने अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, और बस, यह सफर शुरू हो गया एनपी51। किसी ऐसी जगह का हिस्सा बनना, जिसे आपने इतने लंबे समय तक दूर से निहारा और सराहा हो, अपने आप में बेहद खास एहसास है। और अब उसी जगह का एक छोटा सा हिस्सा बन पाना मेरे लिए वाकई बहुत स्पेशल फर्स्ट है। इस प्रोजेक्ट के लिए दिल से शुक्रगुज़ार हूँ । इस परियोजना से जुड़ी टीम भी इसकी एक्साइटमेंट को और बढ़ा रही है।

इस फिल्म को चार्ली और नयट्टू जैसी शानदार फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले फिल्ममेकर-प्रोड्यूसर मार्टिन प्रक्कट का समर्थन मिला है। वहीं, जय जय जय जय हे के लेखकों में शामिल रहे नाशिद इस फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं। रुक्मिणी वसंत और निन पाउली के साथ इन प्रतिष्ठित नामों का जुड़ना एनपी51 को मलयालम सिनेमा की सबसे दिलचस्प आगामी फिल्मों में से एक बना रहा है। सप्त सागरदाचे एलो और कांतारा जैसी फिल्मों में अपने शानदार अभिनय से रुक्मिणी ने अपनी एक अलग पहचान बनाई है। कभी सिर्फ एक होनहार कन्नड़ प्रतिभा के तौर पर देखी जाने वाली रुक्मिणी अब धीरे-धीरे पूरे साउथ इंडियन सिनेमा में सबसे ज्यादा डिमांड वाली युवा अभिनेत्रियों में अपनी जगह बना चुकी हैं। रुक्मिणी अब टॉक्सिक- ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स को लेकर भी तैयार हैं, जिसमें वह एक महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगी। इसके अलावा, उनके खाते में एनटीआरनील की बहुप्रतीक्षित बड़ी फिल्म ड्रैगन भी है। शानदार परफॉर्मेंस, अलग-अलग तरह के किरदार और बड़े पैन-इंडियन प्रोजेक्ट्स के साथ रुक्मिणी का करियर पूरी गति से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में, उनका यह नया मलयालम प्रोजेक्ट उनकी तेजी से शानदार होती करियर जर्नी में एक और रोमांचक अध्याय जोड़ता नजर आ रहा है, जो दर्शकों को उनकी बहुमुखी प्रतिभा का एक और रूप देखने का मौका देगा।

मलयालम फिल्मों के सितारे निन पाउली के साथ नजर आएगी

मुंबई (ए.)। जल्द ही अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत मलयालम फिल्मों के सितारे निन पाउली के साथ परदे पर नजर आएगी। अभिनेत्री ने अपनी अगली फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है, जिससे उनकी बढ़ती हुई फिल्मोग्राफी में एक और रोमांचक परियोजना जुड़ गई है। हाल ही में रुक्मिणी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म के क्लैपबोर्ड की एक झलक साझा करते हुए आधिकारिक तौर पर शूटिंग शुरू होने की घोषणा की। यह फिल्म फिलहाल एनपी51 के नाम से जानी जा रही है। सेट से एक झलक साझा करते हुए, रुक्मिणी ने अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, और बस, यह सफर शुरू हो गया एनपी51। किसी ऐसी जगह का हिस्सा बनना, जिसे आपने इतने लंबे समय तक दूर से निहारा और सराहा हो, अपने आप में बेहद खास एहसास है। और अब उसी जगह का एक छोटा सा हिस्सा बन पाना मेरे लिए वाकई बहुत स्पेशल फर्स्ट है। इस प्रोजेक्ट के लिए दिल से शुक्रगुज़ार हूँ । इस परियोजना से जुड़ी टीम भी इसकी एक्साइटमेंट को और बढ़ा रही है।

इस फिल्म को चार्ली और नयट्टू जैसी शानदार फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले फिल्ममेकर-प्रोड्यूसर मार्टिन प्रक्कट का समर्थन मिला है। वहीं, जय जय जय जय हे के लेखकों में शामिल रहे नाशिद इस फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं। रुक्मिणी वसंत और निन पाउली के साथ इन प्रतिष्ठित नामों का जुड़ना एनपी51 को मलयालम सिनेमा की सबसे दिलचस्प आगामी फिल्मों में से एक बना रहा है। सप्त सागरदाचे एलो और कांतारा जैसी फिल्मों में अपने शानदार अभिनय से रुक्मिणी ने अपनी एक अलग पहचान बनाई है। कभी सिर्फ एक होनहार कन्नड़ प्रतिभा के

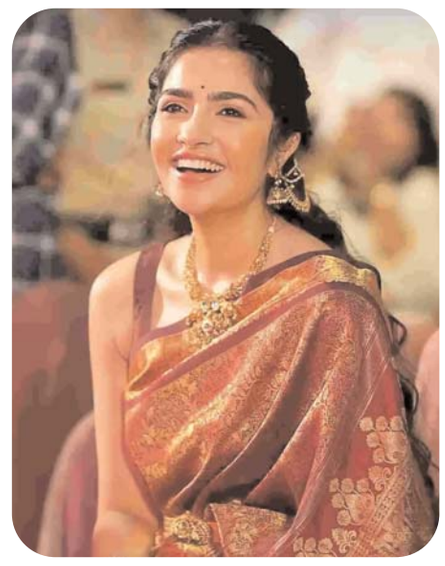

तौर पर देखी जाने वाली रुक्मिणी अब धीरे-धीरे पूरे साउथ इंडियन सिनेमा में सबसे ज्यादा डिमांड वाली युवा अभिनेत्रियों में अपनी जगह बना चुकी हैं।

रुक्मिणी अब टॉक्सिक- ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स को लेकर भी तैयार हैं, जिसमें वह एक महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगी। इसके अलावा, उनके खाते में एनटीआरनील की बहुप्रतीक्षित बड़ी फिल्म ड्रैगन भी है। शानदार परफॉर्मेंस, अलग-अलग तरह के किरदार और बड़े पैन-इंडियन प्रोजेक्ट्स के साथ रुक्मिणी का करियर पूरी गति से आगे बढ़ रहा है।

'किसी की राय मेरी पर्सनैलिटी तय नहीं करती', क्या रश्मिका के मिस्टर शोऑफ वाले पुराने बयान को नहीं भूले यश?

दस साल पहले एक टीवी इंटरव्यू के रैपिड फायर राउंड में जब अभिनेत्री रश्मिका मंदाना से पूछा गया कि कौन कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में मिस्टर शोऑफ है तो उन्होंने यश का नाम ले लिया। इस बात से यश के फैंस बहुत नाराज हुए, कई निर्देशक भी अभिनेत्री पर आग-बबूला हो गए। एक हालिया इंटरव्यू में यश ने भी रश्मिका मंदाना के मिस्टर शोऑफ वाले पुराने बयान का जिक्र किया। वह इस बयान के बारे में क्या सोचते हैं? जानिए।

यश ने रश्मिका की बात पर अब क्या कहा?

रजत शर्मा के शो 'आप की अदालत' में अभिनेता यश ने फिल्म 'टॉक्सिक' और अपने करियर को लेकर लंबी बातचीत की। वह रश्मिका मंदाना के पुराने बयान पर कहते हैं, 'मुझे नहीं पता कि उन्होंने किस संदर्भ में यह बात कही थी। वह

उस वक्त नई थीं। उन्हें टीवी पर इंटरव्यू लेने वाला 3-4 ऑप्शन देता है और शायद रश्मिका ने सोचा होगा कि मेरा नाम सही ऑप्शन रहेगा।

यश आगे कहते हैं, 'बहुत सारे डायरेक्टर उन पर नाराज हो गए थे। मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि यह ठीक है। यह किसी की राय है। मैंने उस वक्त भी सोशल मीडिय पर यही लिखा था। कोई भी आपके बारे में राय दे सकता है। लेकिन किसी की राय मेरी पर्सनैलिटी तय नहीं करती। मैं जो हूं, वह किसी के नजरिए से नहीं बदलता। मैं जो हूं, वही हूं।'

रश्मिका ने क्या मांगी थी माफी?

2017 में हुई आलोचना के बाद रश्मिका मंदाना ने एक स्पष्टीकरण वाला बयान सोशल मीडिया पर जारी किया। इसके जरिए उन्होंने पूरी स्थिति स्पष्ट की थी। उन्होंने बताया था कि यश की तारीफ भी इंटरव्यू में की थी।

कब रिलीज होगी यश की फिल्म 'टॉक्सिक'?

फिल्म 'टॉक्सिक' में यश मुख्य भूमिका में हैं। उनके अलावा कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत जैसी अभिनेत्रियां भी इसमें नजर आएंगी। यह फिल्म 26 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज

वर्ल्ड कप हमारे लिए अहम, उम्मीद है जीतेंगे : हरमनप्रीत सिंह

नई दिल्ली (आरएनएस) । भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप खिताब के लिए देश के 51 साल के इंतजार को खत्म करने की बात कही है। हरमनप्रीत ने जियोस्टार पर कहा, वर्ल्ड कप हम सभी के लिए बहुत मायने रखता है क्योंकि इस वर्ल्ड कप के बाद, आपको कभी नहीं पता होता कि क्या हो सकता है। टीम में कई सीनियर खिलाड़ी भी हैं, इसलिए हमारे लिए यह एक शानदार मौका है। हमने जितनी मेहनत की है और जिस तरह से ट्रेनिंग की है, हमें विश्वास है कि हम यह जरूर कर सकते हैं। यही हमारा एकमात्र लक्ष्य है, अपना बेस्ट देना और पदक जीतना। बेशक, टोक्यो और पेरिस में लगातार पदक जीतना हमारे लिए प्रेरक रहा है। हरमनप्रीत ने कहा कि इस प्रतियोगिता में हम अंडरडॉग के तौर पर उतरेंगे, लेकिन यह हमारे पक्ष में हो सकता है। उम्मीदों का बोझ उठाने के बजाय, टीम इस टूर्नामेंट को वर्ल्ड स्टेज पर अपनी काबिलियत दिखाने के मौके के तौर पर देख रही है। उम्मीद है कि हम ट्रॉफी घर लाएंगे। यह सफर मुश्किल होगा, लेकिन हम तैयार हैं।उन्होंने कहा, टीम एक-दूसरे पर भरोसा करती है और हमारी सोच सकारात्मक है। कौन स्कोर करता है या कौन डिफेंड करता है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, जब तक हम एक टीम के तौर पर जीतते हैं। हम पूरी जान लगा देंगे। कप्तान ने कहा कि हमारा मकसद ट्रॉफी उठाना है, हमारा डिफेंस हमारी नींव है। एक अनुशासित डिफेंसिव ढांचा भारत को दूसरी तरफ ज्यादा मौके बनाने देगा। हमने उस एरिया में बहुत अच्छी प्रैक्टिस की है।भारत ने अपनी तैयारियों के दौरान अलग-अलग डिफेंसिव तरीकों पर बहुत काम किया है, जिसमें टीम फुल प्रेस, हाफ-कोर्ट प्रेस और लो प्रेस वाली स्थितियों के लिए ट्रेनिंग कर रही है। हरमनप्रीत ने कहा कि टीम ने उन सिस्टम के अंदर अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को समझने के लिए भी काफी समय दिया है।

वीनस विलियम्स सिनसिनाटी ओपन के पहले राउंड में हारीं, लगातार 13वां एकल मैच गंवाया

ओहायो (आरएनएस),। । सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स का एकल में हारने का सिलसिला जारी है। शुक्रवार को सिनसिनाटी ओपन के पहले राउंड में वीनस को कोलंबियाई क्वालीफायर एमिलियाना अरांगो से 6-2, 6-2 से हार का सामना करना पड़ा। 46 साल की अमेरिकी खिलाड़ी को डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट के लिए वाइल्डकार्ड एंट्री दी गई थी, लेकिन वह अभी भी एकल मैच न जीतने का अपना सिलसिला खत्म नहीं कर पाई। उनका हार का सिलसिला जुलाई 2025 से जारी है। 25 साल की क्वालीफायर अरांगो ने लिंडनर टेनिस सेंटर के ग्रैंडस्टैंड कोर्ट पर विलियम्स को एक घंटे और पांच मिनट में हरा दिया।

विलियम्स की दोपहर की शुरुआत मुश्किल तरीके से हुई क्योंकि पहले गेम में उनकी सर्व टूट गई थी, और उन्हें एक ऐसे खिलाड़ी के खिलाफ मैच में वापस आने में परेशानी हुई जो लगातार दबाव बना रहा था।

अरांगो ने अपने पांच में से चार ब्रेक-पॉइंट चांस को बदला और अपनी पहली सर्व के बाद 71 प्रतिशत पॉइंट्स हासिल किए, जबकि विलियम्स अपने एक ब्रेक के मौके को भूना नहीं पाईं और अपनी पहली सर्व के सिर्फ 41 प्रतिशत पॉइंट्स ही जीत पाईं।

अरांगो के मुताबिक, शुरुआत में बढ़त बनाने से उनका नर्वसनेस शांत हुआ और वह मुकाबले पर नियंत्रण रख पाईं।अरांगो ने कहा, मेरा नर्वसनेस थोड़ा कम हुआ, शायद थोड़ी सांस लेने की जगह मिली। मुझे लगता है कि मैंने बस उस पर टिके रहने का अच्छा काम किया, उसे जितना हो सके खेलने के लिए मजबूर करने की कोशिश की।

कोलंबियन को दूसरे राउंड में डिफेंडिंग चैंपियन और टॉप सीड इगा स्वियाटेक से खेलना होगा।

विलियम्स के लिए, यह हार एकल में मुश्किल प्रदर्शन का नतीजा थी, उनकी सबसे हालिया जीत पिछले साल के वाशिंगटन टूर्नामेंट में हुई थी जब उन्होंने पेटन स्टर्न्स को हराया था।टूर्नामेंट में 11वीं बार हिस्सा ले रही विलियम्स ने कहा कि वह असल में हर समय स्थिति पर पूरी तरह से नियंत्रण में थीं, लेकिन बदकिस्मती से वह इसे उस तरह से पूरा नहीं कर पाईं जैसा वह चाहती थीं। अच्छी बात यह है कि मैं शॉट्स को नियंत्रित कर रही हूं।

पांचवें मैच में आयरलैंड की 6 विकेट से हार, अफगानिस्तान ने 4-0 से जीती वनडे सीरीज

बेलफास्ट (आरएनएस)। अफगानिस्तान ने आयरलैंड के खिलाफ शनिवार को सिविल सर्विस क्रिकेट क्लब में खेले गए मुकाबले में 6 विकेट से जीत हासिल की। इसी के साथ मेहमान टीम ने पांच मुकाबलों की सीरीज 4-0 से अपने नाम कर ली। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी आयरलैंड की टीम ने 50 ओवरों के खेल में 7 विकेट खोकर 298 रन बनाए। इस टीम को एंड्रयू बालबर्नी (13) के रूप में पहला झटका लगा, जो कप्तान पॉल स्टर्लिंग के साथ पहले विकेट के लिए 34 रन ही जुटा सके। इसके बाद टीम ने खाते में 5 और रन जुड़ने के बाद ही कप्तान स्टर्लिंग (20) का विकेट भी खो दिया। यहां से केड कारमाइकल ने हैरी टेक्टर के साथ तीसरे विकेट के लिए 40 रन जुटाए। केड 22 रन बनाकर आउट हुए।

टेक्टर ने कर्टिस कैंपर के साथ पांचवें विकेट के लिए 55 रन जुटाए। टेक्टर 80 गेंदों में 4 चौकों के साथ 53 रन बनाकर आउट हुए, जहां से कैंपर ने मोर्चा संभाला। उन्होंने जॉर्ज डॉकरेल के साथ छठे विकेट के लिए 57 गेंदों में 72 रन की साझेदारी की, जबकि जॉर्ज नील के साथ सातवें विकेट के लिए 64 रन जुटाए। कैंपर 84 गेंदों में 4 छक्कों और 7 चौकों के साथ 96 रन बनाकर आउट हुए, जबकि डॉकरेल ने 31 रन जुटाए।

जॉर्डन ने नाबाद 23 रन की पारी खेली। मेहमान खेमे से अजमतुल्लाह ओमरजई ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि एमएम गजनफर ने 2 विकेट निकाले। मोहम्मद सलीम और नंगेलिया खरोती ने 1-1 विकेट हासिल किया। इसके जवाब में अफगानिस्तान ने 48.5 ओवरों में मुकाबला अपने नाम कर लिया।

इस टीम ने 22 के स्कोर तक इब्राहिम जादरान (5) और रहमानुल्लाह गुरबाज (14) के विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद कप्तान रहमत शाह ने सेदिकुल्लाह अटल के साथ तीसरे विकेट के लिए 201 रन की साझेदारी करते हुए टीम को जीत की पटरी पर ला दिया। अटल 112 गेंदों में 3 छक्कों और 7 चौकों के साथ 98 रन बनाकर पवेलियन लौटे। यहां से रहमत शाह ने अजमतुल्लाह ओमरजई के साथ 56 जुटाए, जबकि हशमतुल्लाह शाहिदी के साथ पांचवें विकेट के लिए 23 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को जीत दिलाई।

कप्तान रहमत शाह 133 गेंदों में 2 छक्कों और 13 चौकों के साथ 143 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि ओमरजई 14 गेंदों में 24 रन बनाकर आउट हुए। मेजबान खेमे से लियाम मैकार्थी ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए। जय मूदड़ा ने 1 विकेट अपने नाम किया।

लक्ष्य सेन : कॉमनवेल्थ में जीता स्वर्ण, ओलंपिक में भी देश को पदक की उम्मीद

नई दिल्ली (आरएनएस),। भारत में बैडमिंटन बहुत ही तेजी से उभरता और लोकप्रिय होता खेल है। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने अपने दमदार प्रदर्शन और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हासिल सफलता से वैश्विक स्तर पर अपना लोहा मनवाया है। विश्व पटल पर तेजी से उभरे जिन भारतीय खिलाड़ियों का नाम प्रमुखता से लिया है, उनमें लक्ष्य सेन प्रमुख हैं। वह एकल वर्ग में देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। लक्ष्य सेन का जन्म 16 अगस्त 2001 को अल्मोड़ा, उत्तराखंड में हुआ था।बैडमिंटन सेन को विरासत में मिला है। इस खेल में वह अपने परिवार की तीसरी पीढ़ी हैं। बैडमिंटन में बेहतर करियर के लिए लक्ष्य 10 साल की उम्र में बेंगलुरु चले गए। उन्होंने विमल कुमार से बैडमिंटन की ट्रेनिंग ली है। प्रकाश पादुकोण उनके मेंटर रहे हैं। 2014 में, उन्होंने स्विस जूनियर इंटरनेशनल जीता। फिर फरवरी 2017 में वे बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड जूनियर रैंकिंग में नंबर एक जूनियर एकल खिलाड़ी बन गए। सेन 2018 एशियन जूनियर चैंपियनशिप में चैंपियन बने, उन्होंने फाइनल में टॉप सीडेड वर्ल्ड जूनियर नंबर 1 कुनलावुत विटिडसार्न को 21-19, 21-18 से हराया।लक्ष्य ने यूथ ओलंपिक 2018 में मिश्रित टीम के साथ स्वर्ण पदक जीता था। जूनियर स्तर पर दमदार प्रदर्शन के सिलसिले को सेन ने सीनियर स्तर पर भी जारी रखा।

रिंग में हुई बेईमानी और 11 साल का दर्द.. बिस्तर पर जिंदगी से जंग हार गया ये दिग्गज बॉक्सर, 33 की उम्र में तोड़ा दम

नई दिल्ली (ए.)। खेल की दुनिया से एक बेहद ही रुला देने वाली खबर सामने आई है। जिस मुक्केबाज के खूंखार पंच से रिंग में अच्छे-अच्छे विरोधी कांप उठते थे, वह पिछले 11 सालों से एक बिस्तर पर खामोश पड़ा था। साल 2015 में बॉक्सिंग रिंग में हुई एक भयानक और विवादित घटना ने पुएर्टो रिको के स्टार बॉक्सर प्रिचार्ड कोलन की पूरी जिंदगी तबाह कर दी थी। मौत को चकमा देकर सालों तक अपनी सांसों के लिए लड़ने वाले इस 33 वर्षीय पूर्व मुक्केबाज ने अब दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया है। उनके निधन की खबर से बॉक्सिंग जगत में मातम छा गया है।

पिता का छलका दर्द, अधूरी रह गई आखिरी ख्वाहिश

प्रिचार्ड कोलन के पिता रिचर्ड कोलन ने सोशल मीडिया पर एक बेहद भावुक पोस्ट के जरिए अपने बेटे के निधन की दुखद जानकारी दुनिया के साथ साझा की है। उन्होंने भारी मन से बताया कि वे अपने बेटे की आखिरी ख्वाहिश पूरी करने की जी-तोड़ कोशिश कर रहे थे, लेकिन दुर्भाग्य से वे ऐसा नहीं कर सके। इस भयानक दुख की घड़ी में पिता ने उन तमाम फैंस का दिल से शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने इतने सालों तक परिवार को बेशुमार प्यार और दुआएं दीं। कोलन की मां और उनके पूरे परिवार ने पिछले 11 सालों तक साये की तरह उनकी दिन-रात देखभाल

की थी।

2015 की वो मनहूस रात और रिंग में हुई खौफनाक घटना

प्रिचार्ड कोलन का बॉक्सिंग करियर किसी सुनहरे सपने जैसा था और वे तेजी से सफलता की सीढ़ियां चढ़ रहे थे। अक्टूबर 2015 में टेरेल विलियम्स के खिलाफ रिंग में उतरने से पहले वे पूरी तरह से अजेय थे। उन्होंने लगातार 16 मुकाबले जीते थे, जिनमें से 13 बार तो विरोधियों को नॉकआउट कर दिया था। लेकिन टेरेल विलियम्स के खिलाफ खेला गया वह मैच उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा काल बन गया। मैच के दौरान विलियम्स ने नियमों को ताक पर रखकर कोलन के सिर के पिछले हिस्से पर कई खतरनाक पंच मारे। कोलन ने रेफरी से इसकी गुहार भी लगाई, लेकिन रेफरी ने अनसुना कर दिया और मैच जारी रहा। नौवें राउंड में कोलन दर्द से कराहते हुए नीचे गिर पड़े। इस बीच उनके कॉर्नर स्टाफ ने गलतफहमी में उनके दस्ताने उतार दिए, जिसके चलते उन्हें तकनीकी रूप से डिस्क्वालिफाई कर दिया गया। रिंग में हुए उस जानलेवा हमले का असली असर ड्रेसिंग रूम में पहुंचने के बाद दिखा। वहां लौटते ही कोलन की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी, उन्हें उल्टियां हुईं और वे बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़े। आनन-फानन में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां जांच में पता चला कि उनके दिमाग में भयंकर ब्लीडिंग हो रही है। दिमाग की सूजन और दबाव कम करने के लिए डॉक्टरों ने तुरंत सर्जरी की, लेकिन इसके बाद कोलन 221 दिनों तक कोमा में चले गए। कोमा से बाहर आने के बाद भी मस्तिष्क को हुए भारी नुकसान के कारण वे कभी सामान्य जीवन में नहीं लौट सके और 'वेजिटेटिव स्टेट' में पहुंच गए। उनकी आवाज चली गई थी और वे बात करने के लिए कंप्यूटर का सहारा लेते थे।

छत्तीसगढ़ समाचार

लगातार अपराधों में संलिप्त बदमाश हेमंत साहू जिला बदर

रायपुर, (आरएनएस)। कमिश्नरेट पुलिस ने शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना मजबूत करने के उद्देश्य से लगातार आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। इसी क्रम में खमतराई थाना क्षेत्र के आदतन अपराधी हेमंत साहू के खिलाफ जिला बदर की कार्रवाई की गई है।

पुलिस के अनुसार फुलवारी चौक, रावांभाठा निवासी 25 वर्षीय हेमंत साहू पिता लेखराम साहू वर्ष 2016 से विभिन्न आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहा है। उसके खिलाफ खमतराई थाने में नकबजनी, चोरी, मारपीट, आबकारी एक्ट और आर्म्स एक्ट सहित आधा दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं। आरोपी के खिलाफ पूर्व में कई बार प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की जा चुकी है, लेकिन उसके आपराधिक आचरण में सुधार नहीं आया। पुलिस उपायुक्त उत्तर क्षेत्र द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर प्रकरण की विस्तृत जांच की गई। आपराधिक रिकॉर्ड, उपलब्ध साक्ष्यों और पुलिस प्रतिवेदन का परीक्षण करने के बाद पुलिस कमिश्नर रायपुर डॉ. संजीव शुक्ला ने छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम, 1990 की धारा 5(ख) के तहत जिला बदर का आदेश जारी किया। आदेश के तहत हेमंत साहू को 2 माह की अवधि के लिए रायपुर, दुर्ग, धमतरी, महासमुंद, बलौदाबाजार और गरियाबंद जिलों की राजस्व सीमाओं से निष्कासित किया गया है। कमिश्नरेट पुलिस ने कहा कि असामाजिक और आदतन अपराधियों के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

भाठागांव में फ्रंट एमओएस पर बनी 3 दुकानों पर निगम की कार्रवाई, थ्रीडी मशीन से तोड़ा निर्माण

रायपुर,(आरएनएस)। नगर निगम ने अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए भाठागांव स्थित विनायक सिटी मार्ग पर आवास सहित दुकान निर्माण और फ्रंट एमओएस के हिस्से में बनाई गई तीन दुकानों को थ्रीडी मशीन की सहायता से तोड़ दिया। कार्रवाई के बाद निगम ने निर्माणकर्ता को तोड़फोड़ में हुए समस्त व्यय की राशि जमा करने के लिए डिमांड पत्र भी जारी किया है।

रायपुर नगर पालिक निगम आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर नगर निगम जोन-5 के नगर निवेश विभाग ने यह कार्रवाई की। जोन कमिश्नर खीरसागर नायक, कार्यपालन अभियंता लाल महेन्द्र प्रताप सिंह, सहायक अभियंता नागेश्वर रामटेके और उपअभियंता टिकेन्द्र चंद्राकर की उपस्थिति में निगम की टीम ने विनायक सिटी मार्ग पर अभियान चलाया। निगम के अनुसार संबंधित निर्माणकर्ता द्वारा आवास के साथ दुकान का निर्माण किया गया था। इसके अलावा फ्रंट एमओएस के भाग में तीन दुकानों का निर्माण किया गया था। निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर थ्रीडी मशीन की मदद से इन निर्माणों को तोड़ने की कार्रवाई की।

बिलासपुर रेंज आईजी कार्यालय में शान से फहराया गया तिरंगा, देशभक्ति के रंग में रंगा परिसर

बिलासपुर, (आरएनएस)। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर 15 अगस्त 2026 को पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय, बिलासपुर रेंज में राष्ट्रीय पर्व पूरे उत्साह, गरिमा और देशभक्ति के साथ मनाया गया। इस दौरान पूरा परिसर राष्ट्रध्वज की आभा और देशभक्ति के भाव से ओत-प्रोत नजर आया।

कार्यक्रम में बिलासपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक राम गोपाल गर्ग (आईपीएस) को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं, अदम्य साहस और कर्तव्यनिष्ठा के लिए रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया गया। आईजी के रायपुर प्रवास पर होने के कारण कार्यालय में पदस्थ उप पुलिस अधीक्षक विवेक शर्मा ने ध्वजारोहण किया और तिरंगे को सलामी दी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का स्वतंत्रता दिवस सन्देश

सारंगढ़ बिलाईगढ (आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित मुख्य समारोह में ध्वजारोहण कर प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले महान स्वतंत्रता सेनानियों और अमर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस माँ भारती की वंदना, हमारे गौरवशाली इतिहास से प्रेरणा लेने और विकसित भारत के निर्माण के संकल्प को और मजबूत करने का पावन अवसर है।

मुख्यमंत्री साय ने महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, डॉ. भीमराव अंबेडकर और वीर सावरकर सहित स्वतंत्रता संग्राम के असंख्य सेनानियों के त्याग और बलिदान का स्मरण किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ की धरती पर स्वतंत्रता और स्वाभिमान की अलख जगाने वाले धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा, शहीद वीर नारायण सिंह, वीर गुंडाधुर, गेंद सिंह, धुरवा राव, यादव राव, वेंकट राव, डेबरी धुर और आयतु माहरा सहित जननायकों को भी श्रद्धापूर्वक नमन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास जी का संदेश - 'पराधीन सपनेहुँ सुख नाहीं', संत कबीर की वाणी और बाबा गुरु घासीदास जी का 'मनखे-मनखे एक समान' का उद्घोष हमें स्वतंत्रता, समानता और मानवीय गरिमा के मूल्यों की निरंतर प्रेरणा देता है। उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती का उल्लेख करते हुए उनके राष्ट्रीय एकता के संकल्प का स्मरण किया।

मुख्यधारा में लौटे आत्मसमर्पित नक्सलियों ने मनाया आजादी का पर्व

कांकेर,(आरएनएस)। देश की आजादी की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर उत्तर बस्तर कांकेर जिले में स्वतंत्रता दिवस उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। नक्सल प्रभावित क्षेत्र मुल्का कैंप में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह विशेष रूप से यादगार रहा, जहां 27 आत्मसमर्पित नक्सलियों ने पुलिस जवानों के साथ मिलकर ध्वजारोहण किया और आजादी का पर्व मनाया।कभी नक्सलवाद की विचारधारा के प्रभाव में रहकर हिंसा और बंदूक का रास्ता अपनाने वाले इन आत्मसमर्पित नक्सलियों का आज तिरंगे के नीचे खड़े होकर स्वतंत्रता दिवस मनाना उनके मुख्यधारा में लौटने और लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास की मजबूत तस्वीर प्रस्तुत करता है।समारोह के दौरान आत्मसमर्पित नक्सलियों ने पुलिस जवानों के साथ ध्वजारोहण में सहभागिता की और देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर देश की एकता, अखंडता और विकास में सहभागी बनने का संदेश भी दिया गया। कांकेर पुलिस द्वारा आत्मसमर्पित नक्सलियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने, उन्हें सम्मानजनक जीवन जीने के अवसर उपलब्ध कराने और शासन की पुनर्वास नीति के माध्यम से बेहतर भविष्य की ओर आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।तिरंगे के नीचे एक साथ खड़े ये 27 चेहरे शांति और बदलाव का संदेश देते नजर आए। यह पहल बताती है कि हिंसा का रास्ता छोड़कर शांति, विकास और लोकतांत्रिक व्यवस्था से जुड़ना ही बेहतर भविष्य की दिशा है।

साइबर ठगी के पीड़ितों को दोष नहीं, सहयोग दें : बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस की अपील

बलौदाबाजार-भाटापारा, (आरएनएस)। ऑनलाइन धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों के बीच बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस ने जिले के नागरिकों, परिवारों और समाज के प्रबुद्धजनों से अपील की है कि साइबर ठगी के पीड़ितों के प्रति अपनी सोच और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाएं। पुलिस ने कहा कि साइबर अपराधी बेहद चालाकी से लोगों को अपना शिकार बनाते हैं, इसलिए ठगी का शिकार हुए व्यक्ति को दोष देने के बजाय उसका सहारा बनना बेहद जरूरी है।

पुलिस ने लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि Cyber Scam किसी के साथ भी हो सकता है। ठगी के बाद पीड़ित को तुमने ही गलती की होगी, इतने स्मार्ट बनते हो, अब भुगतो या ऐसा कैसे हो गया? जैसे ताने देने से बचना चाहिए। इस तरह की बातें पीड़ित के मानसिक तनाव को और बढ़ा सकती हैं।पुलिस ने कहा कि साइबर ठगी के बाद परिवार और समाज का सहयोग पीड़ित के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है। ऐसे समय में पीड़ित को भावनात्मक संबल देने के साथ-साथ उसे आवश्यक कानूनी और तकनीकी प्रक्रिया पूरी करने में मदद करनी चाहिए।

पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि आरोप नहीं, सहयोग करें। वित्तीय धोखाधड़ी होने पर पीड़ित को तुरंत बैंक से संपर्क करने और पुलिस में शिकायत दर्ज कराने में सहयोग दें। समय पर की गई कार्रवाई से ठगी की रकम को रोकने या वापस प्राप्त करने की संभावना बढ़ सकती है। बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि साइबर ठगी का शिकार होने पर घबराएं नहीं और बिना देर किए राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें। इसके साथ ही राष्ट्रीय साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज की जा सकती है। पुलिस ने कहा कि साइबर अपराध के खिलाफ लड़ाई में जागरूकता के साथ-साथ पीड़ितों के प्रति संवेदनशील व्यवहार भी जरूरी है। साइबर ठगी के पीड़ित को शर्मिंदा नहीं, सशक्त बनाने की

छत्तीसगढ़ में अगले चार दिन तक भारी बारिश का अलर्ट

उत्तरी छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में भारी बारिश होने की संभावना

रायपुर,(आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में मानसून एक बार फिर सक्रिय नजर आ रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, अगले चार दिनों तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश का दौर जारी रह सकता है। वहीं, उत्तरी छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने गरज-चमक और वज्रपात को लेकर भी लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। इस दौरान तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है।

लो प्रेशर सिस्टम का दिखेगा असर

मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी-मध्य झारखंड और आसपास के क्षेत्रों में निम्न दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इसके प्रभाव से छत्तीसगढ़ में नमी बढ़ने और बारिश की गतिविधियों में तेजी आने की संभावना है। प्रदेश के कई हिस्सों में बादल छाए रहने के साथ रुक-रुककर बारिश हो सकती है। खासकर उत्तरी हिस्सों में कुछ स्थानों पर भारी बारिश की स्थिति बन सकती है। 16 अगस्त को प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में हल्की

से मध्यम बारिश हो सकती है। एक-दो स्थानों पर भारी बारिश के साथ गरज-चमक और वज्रपात की संभावना है।

17 अगस्त को भी अधिकांश इलाकों में बारिश का दौर जारी रहेगा। कुछ स्थानों पर भारी बारिश और बिजली गिरने की स्थिति बन सकती है।

18 अगस्त को कई जगह हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ इलाकों में भारी बारिश होने की संभावना है। इस दौरान गरज-चमक और वज्रपात का खतरा भी रहेगा।

20 और 21 अगस्त को क्या रहेगा मौसम?

20 अगस्त को भी प्रदेश के अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है, लेकिन किसी विशेष चेतावनी की संभावना नहीं है। 21 अगस्त को भी कई इलाकों में बारिश हो सकती है और मौसम विभाग ने इस दिन भी किसी विशेष चेतावनी की संभावना नहीं जताई है।

वज्रपात के दौरान इन बातों का रखें ध्यान

मौसम विभाग ने लोगों से गरज-चमक सुनाई देने पर तुरंत सुरक्षित पक्के भवन में जाने की अपील की है। पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचें और बिजली की लाइनों से दूरी बनाए रखें।

घास-फूस की झोपड़ियों और कमजोर छत वाले मकानों से दूर रहें। खुले स्थानों पर मौजूद कृषि उपज को सुरक्षित जगह पर रखें। बागवानी और सब्जी फसलों को ओलावृष्टि से बचाने के लिए एंटी-हेल नेट का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है।

पूरे उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया स्वतंत्रता दिवस समारोह

जिला स्तरीय समारोह में देखा व सुना गया मुख्यमंत्री के संदेश का लाइव प्रसारण
प्रभारी मंत्री ने बधाई संदेश में बताई सीहोर जिले की उपलब्धियां

सीहोर(निप्र)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय स्थित पुलिस परेड ग्राउंड में पूरे हर्षोल्लास के साथ स्वतंत्रता दिवस समारोह सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पिछड़ा वर्ग मंत्री एवं जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली। इस अवसर पर राष्ट्रगीम एवं राष्ट्रगान का गायन किया गया। इस मौके पर हर्ष फायर हुए और रंगीन गुब्बारे आसमान में छोड़े गये तथा मध्यप्रदेश गान की प्रस्तुति दी गई। समारोह में भोपाल से मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के संदेश का लाइव प्रसारण देखा और सुना गया। इसके साथ ही मंत्री श्रीमती गौर ने भी संबोधित कर जिलेवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में जिले की उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सीहोर जिला विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रहा है। कृषि, सिंचाई, पेयजल, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, उद्योग एवं रोजगार के क्षेत्र में जिले ने उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से किसानों, महिलाओं, युवाओं, विद्यार्थियों एवं जरूरतमंद परिवारों को लाभान्वित

किया जा रहा है। सिंचाई एवं जलप्रदाय परियोजनाओं के विस्तार के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाएँ मजबूत हुई हैं। वहीं नए उद्योगों एवं स्वरोजगार योजनाओं से युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़े हैं। सुशासन, नवाचार और जनसेवा के क्षेत्र में भी सीहोर ने प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है।

मंत्री श्रीमती गौर ने परेड का निरीक्षण कर सभी परेड कमांडरो से परिचय प्राप्त किया। इस दौरान कलेक्टर बालागुरू के. तथा एसपी श्रीमती सोनाक्षी सक्सेना भी साथ थीं। परेड के पश्चात अनेक शासकीय एवं अशासकीय स्कूलों के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुतियां दी। समारोह में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों तथा लोकतंत्र सेनानियों के परिजनों को मुख्य अतिथि द्वारा शाल-श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने परेड एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने वाले प्रतिभागियों तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले शासकीय सेवकों को भी सम्मानित किया सांस्कृतिक कार्यक्रमों से पहले सेंट ऐंस स्कूल के छात्र-छात्राओं ने मध्यप्रदेश गान एवं हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा गान प्रस्तुत किया।

कांग्रेसजनों ने कांवड़ यात्रियों और बच्चों को किए तिरंगे वितरित

शहर में दिखा शिवभक्ति और देशप्रेम का अनोखा संगम

सीहोर(निप्र)। स्वतंत्रता दिवस पर सीहोर नगर में शिवभक्ति और देशप्रेम के संगम का अनोखा नजारा देखने को मिला, जब कांग्रेसजनों ने स्थानीय भोपाल नाका पर कांवड़ यात्रियों और बच्चों को तिरंगा झंडा का

वितरण किया। इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए जिला कांग्रेस प्रवक्ता पंकज शर्मा ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी उनके और कांग्रेस नेता अरुण मालवीय के द्वारा भोपाल नाका क्षेत्र में तिरंगा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, जिसमें छोटे-छोटे बच्चों सहित सभी लोगों को तिरंगे का नि:शुल्क वितरण किया जा रहा था और इसी दौरान वहां कांवड़ यात्रियों के पहुंचने से माहौल देशभक्तिपूर्ण होने के साथ ही शिवमय भी हो गया तथा शिवभक्ति और देशभक्ति का अनोखा संगम यहां नज़र आया, जो देखते ही बनता था और सभी आने-जाने वालों के बीच ये चर्चा का विषय बन गया और सभी को वहाँ धर्मलाभ के साथ ही देशभक्ति के रस का भी आनंद प्राप्त हुआ, जिससे सभी उपस्थितजन हर्षविभोर हो उठे। पंकज शर्मा ने आगे बताया कि कांग्रेसजनों का ये नि:शुल्क तिरंगा वितरण कार्यक्रम आगे भी निरंतर जारी रहेगा तथा इसके माध्यम से वो लोगों को तिरंगे के महत्व के साथ ही सच्चे देशप्रेम की भावना से अवगत कराते रहेंगे। इस मौके पर कार्यक्रम आयोजक पंकज शर्मा और अरुण मालवीय के साथ ही डॉक्टर हर्ष गुप्ता, बिजेन्द्र ठाकुर, मटरू भाई आदि कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

कर्तव्य पथ पर मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले आदित्य गौर का सम्मान

सीहोर (निप्र)। गणतंत्र दिवस परेड शिविर-2026, नई दिल्ली में कर्तव्य पथ पर मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले महात्मा गांधी महाविद्यालय, सीहोर के राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) के वरिष्ठ स्वयंसेवक आदित्य गौर को जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने सम्मानित किया। उनकी इस उपलब्धि पर महाविद्यालय परिवार एवं रासेयो स्वयंसेवकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दीं युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल के अंतर्गत आदित्य गौर ने गणतंत्र दिवस परेड शिविर में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। शिविर के दौरान उन्हें राष्ट्रपति भवन में महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से भेंट करने का अवसर मिला। इसके साथ ही उन्होंने उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं अन्य केंद्रीय मंत्रियों से भी भेंट की।

आदित्य गौर को प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा भी सम्मानित किया जा चुका है। इसके अलावा वे पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर, राष्ट्रीय एकता शिविर, मध्यप्रदेश राज्य स्तरीय नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर सहित विभिन्न शिविरों में महाविद्यालय, विश्वविद्यालय एवं प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़कर आदित्य ने विभिन्न जनजागरूकता एवं समाजसेवा गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता की है। इनमें स्वच्छता अभियान, नारी सशक्तिकरण, एड्स जागरूकता, 'एक पेड़ मां के नाम', बाल संरक्षण सहित अनेक सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रम शामिल हैं आदित्य गौर की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर महात्मा गांधी महाविद्यालय के प्राचार्य हलीम खान, संचालक ज्योति शर्मा, रासेयो कार्यक्रम अधिकारी वैभव नागर, वरिष्ठ स्वयंसेवक शिवानी प्रजापति, अमित शर्मा, मानसी प्रजापति, प्रीति परमार सहित अन्य स्वयंसेवकों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

भव्य शिव पालकी कांवड़ यात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब, 21 से अधिक नदियों के जल से हुआ अभिषेक

सीहोर(निप्र)। सावन मास के पावन अवसर पर रविवार को शहर के कोलीपुरा स्थित प्राचीन सिद्धपीठ श्री नृसिंह लक्ष्मी मंदिर से भगवान शिव की भव्य पालकी कांवड़ यात्रा श्रद्धा और उत्साह के साथ निकाली गई। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और पूरे मार्ग में हर-हर महादेव के जयघोष से वातावरण शिवमय हो गया।

श्री नृसिंह लक्ष्मी मंदिर से भगवान शिव को आकर्षक पालकी में विराजमान कर श्रद्धालु शहर की जीवनदायिनी मां सीवन नदी के तट पर पहुंचे। यहां संत माधवदास महाराज सहित समाजसेवी श्रीमती रेखा राय, सुनील राय, मनोज दीक्षित मामा, सोनू केवट, कार्तिक गोगिया, दुर्गेश यादव, बाबू, रोहित सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। संत और श्रद्धालुओं ने यात्रा में अहम भूमिका निभाने वाले कार्तिक गोगिया, भजन मंडल के दुर्गेश यादव और बाबू, आयुष गुप्ता आदि का स्वागत और सम्मान किया गया। कार्यक्रम में बाबू सतेन्द्र राय, लक्की सौलंकी, दीपक सौलंकी, राजा सौलंकी, कपिल, लल्लू, गुल माला, कृष्णकांत, गोदवारी, विष्णु बाई, गंगा यादव, प्रियंका, आशीष यादव, सुमीत कुशवाहा, गगन कुशवाहा, आनंद कुशवाहा, वंश आदि शामिल थे।

अटल हॉस्पिटल में ध्वजारोहण के साथ मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

सीहोर (निप्र)। गंगा आश्रम स्थित अटल हॉस्पिटल में स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास एवं देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर अस्पताल परिसर में ध्वजारोहण किया गया, जिसमें अटल हॉस्पिटल की टीम एवं समस्त स्टाफ ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रगान के साथ देश के वीर स्वतंत्रता सेनानियों एवं शहीदों को नमन किया गया। कार्यक्रम के दौरान अस्पताल के स्टाफ द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां भी दी गईं, जिसने पूरे वातावरण को देशभक्ति के रंग में रंग दिया।

जिला कांग्रेस कार्यालय में हर्षोल्लास से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस, राजीव गुजराती ने किया ध्वजारोहण

सीहोर(निप्र)। भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय, न्यू बस स्टैंड सीहोर में भव्य ध्वजारोहण कार्यक्रम देशभक्ति और उत्साह के वातावरण में आयोजित किया गया। जिला

कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजीव गुजराती ने गौरवशाली तिरंगा फहराकर राष्ट्रध्वज को सलामी दी।

ध्वजारोहण के उपरांत उपस्थित कांग्रेसजनों ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम' एवं राष्ट्रगान का सस्वर गान कर मातृभूमि को नमन किया। इस दौरान स्वतंत्रता संग्राम के वीर सेनानियों एवं राष्ट्रनिर्माताओं के योगदान को याद करते हुए देश की एकता और अखंडता के प्रति संकल्प व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के प्रेरणादायक एवं प्रगतिशील संदेश का वाचन वरिष्ठ कांग्रेस नेता ओम दीप राठौर ने लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए कांग्रेस निरंतर संघर्ष करती रहेगी। प्रदेश में भ्रष्टाचार को लेकर पटवारी ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रशासनिक व्यवस्था में भ्रष्टाचार व्याप्त है।

वंदे मातरम् का अपमान देश बर्दाश्त नहीं करेगा, भाजपा ने सीहोर में निकाला विशाल कैंडल मार्च

सीहोर (निप्र)। राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के अपमान के विरोध में भारतीय जनता पार्टी जिला इकाई सीहोर द्वारा शहर में एक विशाल कैंडल मार्च का आयोजन किया गया। यह मार्च स्थानीय कोतवाली चौराहे से प्रारंभ होकर मुख्य मार्गों से होते हुए अटल चौराहे पर समाप्त हुआ। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने हाथों में मोमबत्तियां व तख्तियां लेकर कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व सोनिया गांधी, राहुल गांधी और राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ नारेबाजी की और अपना तीव्र विरोध दर्ज कराया। गौरतलब है कि स्वतंत्रता दिवस के सुअवसर पर राष्ट्रगीत वन्दे मातरम् का गायन चल रहा था। जिसे कांग्रेस के इन शीर्ष नेताओं द्वारा बीच में रोकने हेतु बोला जा रहा था।कैंडल मार्च के समापन पर अटल चौराहे पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश मेवाड़ा ने कहा कि 'वंदे

मातरम्' केवल एक गीत नहीं, बल्कि मां भारती की वंदना और हमारे अमर स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग व बलिदान का प्रतीक है। जिस गीत ने आजादी के आंदोलन में लाखों देशवासियों में राष्ट्रभक्ति का संचार किया, उसका अनादर करना कांग्रेस की मानसिकता को दर्शाता है। सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे का यह आचरण अत्यंत निंदनीय है। भारतीय जनता पार्टी राष्ट्र और राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान के लिए हमेशा अग्रिम पंक्ति में खड़ी रहेगी। जनता ऐसे कृत्यों का कड़ा जवाब देगी। इस अवसर पर सीहोर विधायक सुदेश राय ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व का यह रवैया देश के 140 करोड़ नागरिकों की भावनाओं पर आघात है। राष्ट्रीय प्रतीकों और राष्ट्रगीत का सम्मान करना हर नागरिक का परम कर्तव्य है, किंतु कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व लगातार मर्यादाओं को तार-तार कर रहा है। देश का जन-जन इस अपमान को देख रहा है और इसे कभी स्वीकार नहीं करेगा।

सीवन नदी से जल भरकर बाबा केदारनाथ धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब

सीहोर। सावन के पावन अवसर पर श्री माधव महाकाल आश्रम आरोग्य आश्रम के तत्वावधान में भव्य दिव्य कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया। धर्मरक्षक संत श्री श्री 108 काटारे बाबा जी के आशीर्वाद एवं कथाव्यास, परम गौभक्त क्रांतिकारी राष्ट्रीय संत

पंडित मोहितराम जी पाठक के सान्निध्य में आयोजित इस धार्मिक आयोजन में हजारों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।सीहोर की पावन सीवन नदी से श्रद्धालुओं ने कांवड़ में जल भरकर बाबा केदारनाथ को अर्पित किया। संत-महात्माओं, साधु-संतों सहित हजारों शिवभक्तों, मातृशक्ति एवं महिला मंडलों की श्रद्धालुजन ने बाबा केदारनाथ का जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि एवं मनोकामना पूर्ण होने की प्रार्थना की। जल अर्पण के बाद श्रद्धालुओं ने अमृत कुंड से जल ग्रहण किया और अपने-अपने घरों के लिए रवाना हुए कांवड़ यात्रा के दौरान पूरा क्षेत्र 'हर-हर महादेव' और 'बोल बम' के जयघोष से गूंजता रहा।

वीआईटी भोपाल यूनिवर्सिटी ने एकता और गर्व के साथ आजादी के 80 साल पूरे होने का जश्न मनाया

सीहोर(निप्र)। जिले के कोठरी स्थित वीआईटी भोपाल यूनिवर्सिटी ने देश का 80 वां स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति और जोश के साथ मनाया । इस मौके पर इस मौके पर मुख्य अतिथि एनसीसी मध्यप्रदेश के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर आशीष रिख्ये ने ध्वजारोहण किया । इसके बाद राष्ट्रगीत वंदे मातरम और राष्ट्रगान जन गण मन उपस्थित सभी लोगों ने एक साथ गाया । इस अवसर पर वीआईटी भोपाल यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. सतीश कुमार मोढ़ , प्रो वाइस चांसलर प्रो. टी. बी. श्रीधरन, रजिस्ट्रार डॉ. ज्ञान प्रकाश मिश्रा, डायरेक्टर ऑपरेशंस डॉ. प्रभाकर एस, और स्टूडेंट वेलफेयर डायरेक्टर डॉ. अनंत कांत शुक्ला के साथ-साथ फैकल्टी मेंबर्स, स्टाफ और बड़ी संख्या में जोशीले स्टूडेंट्स शामिल हुए।

स्वाधीनता समारोह को संबोधित करते हुए ब्रिगेडियर आशीष रिख्ये ने स्टूडेंट्स से इनोवेशन और टेक्नोलॉजिकल एक्सीलेंस के ज़रिए देश के विकास में अहम योगदान देने की अपील की। उन्होंने इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स को ऐसे प्रोडक्ट्स, टेक्नोलॉजी और सॉल्यूशन के साथ आगे आने के लिए प्रोत्साहित किया जो आर्म्ड फोर्सेज को सपोर्ट कर सकें और देश की सुरक्षा में योगदान दे सकें। एक सैनिक के डिसिप्लिन और डेडिकेशन और एकेडमिक और सिविक लीडरशिप के लिए ज़रूरी कमिटमेंट के बीच एक समानता बताते हुए, उन्होंने पेंटिंग, ड्राइंग, म्यूज़िक और दूसरी क्रिएटिव एक्टिविटी जैसे काम के शौक डेवलप करने के महत्व पर ज़ोर दिया, साथ ही स्टूडेंट्स को सोशल मीडिया रील्स को सिर्फ शौक के तौर पर देखने के खिलाफ़ सावधान किया।मुख्य अतिथि ने डिजिटल युग की चुनौतियों पर ज़ोर देते आगे कहा कि स्टूडेंट्स को डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के इस्तेमाल में अलर्ट, ज़िम्मेदार और समझदारी से काम लेना चाहिए । उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि किसी जानकारी पर यकीन करने या उस पर काम करने से पहले उसकी फैक्ट-चेकिंग करना ज़रूरी है, जिससे स्टूडेंट्स को जिम्मेदार डिजिटल नागरिक बनने की हिम्मत मिले। इस अवसर पर आयोजित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्र छात्राओं ने देशभक्ति से जुड़े कई सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये । इनमें डांस, म्यूज़िक, कविता और भाषण भी शामिल थे। इन परफॉर्मेंस में स्टूडेंट्स की क्रिएटिविटी, जोश और देशभक्ति की गहरी भावना दिखी।स्वाधीनता समारोह के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में भारत के संविधान में बताए गए आदर्शों के प्रति वीआईटी भोपाल यूनिवर्सिटी के कमिटमेंट को एक गर्व भरा सबूत था। इसने यूनिवर्सिटी की उन स्टूडेंट्स को तैयार करने की लगातार कोशिशों को भी दिखाया जो न सिर्फ़ पढ़ाई और टेक्निकली काबिल हों, बल्कि ज़िम्मेदार, अनुशासित, समाज के प्रति जागरूक और देश की तरक्की के लिए समर्पित नागरिक भी हों।

भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी की पुण्यतिथि पर भाजपा ने दी श्रद्धांजलि, कार्यकर्ताओं ने याद किए संस्मरण

सीहोर (निप्र)। पूर्व प्रधानमंत्री 'भारत रत्न' श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की पुण्यतिथि के अवसर पर आज जिला भाजपा कार्यालय में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने अटल जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। श्रद्धांजलि सभा में भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश मेवाड़ा ने कार्यकर्ताओं के बीच अटल जी के जीवन प्रसंगों को साझा करते हुए कहा कि अटल जी का व्यक्तित्व ऐसा था कि विरोधी भी उनका सम्मान करते थे।

संसद के भीतर हो या बाहर, उन्होंने कभी कटुता की राजनीति नहीं की और हमेशा देशहित को दलगत राजनीति से ऊपर रखा। उनका स्पष्ट मानना था कि पद आते-जाते रहते हैं, लेकिन राष्ट्र का सम्मान और स्वाभिमान हमेशा बना रहना चाहिए। सीहोर विधायक सुदेश राय ने अटल जी को स्मरण करते हुए कहा कि अटल जी ने राजनीति में जो सादगी और मर्यादा की लकीर खींची है, वह आज भी हम सभी के लिए आदर्श है। उनके भाषण और कविताएं आज भी कार्यकर्ताओं में नया उत्साह भर देती हैं। अटल जी का जीवन हर जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता के लिए एक खुली किताब की तरह है।नपाध्यक्ष ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि अटल जी हम सभी के लिए आदर्श है। हमें उनकी कार्यशैली का अनुसरण करना चाहिए।कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष नरेश मेवाड़ा, विधायक सुदेश राय, नपाध्यक्ष प्रिंस राठौर,वरिष्ठ नेता सीताराम यादव, जसपाल अरोरा, मण्डल अध्यक्ष सुदीप प्रजापति, मण्डल अध्यक्ष सुशील ताम्रकार,युवा मोर्चा अध्यक्ष महेन्द्र ठाकुर सहित पदाधिकारी व पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में उपस्थित सभी लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धेय अटल जी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज) जिला सीहोर (म.प्र.)

E-mail-modgmseh@mp.gov.in

क्रमांक/2881/खनिज/2026 सीहोर, दिनांक- 31.07.2026

मध्य प्रदेश गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18(1-क)(दो) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा अनुज्ञप्ति (जो भी लागू हो) प्राप्त करने के लिए,

द्वितीय सूचना

यह सूचित किया जाता है कि **श्री रघुनाथ आ. श्री किशन निवासी हाउस नंबर 65 ग्राम हनोती तहसील दौराहा जिला सीहोर** के द्वारा उत्खनिपटटा अनुज्ञप्ति (जो भी लागू हो) प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन दिनांक 19.05.2026 को प्रस्तुत किया गया है। विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तिथी से 15 दिवस तक इस क्षेत्र पर पुन: यथा स्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल http://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला.	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा	भूमि का प्रकार शासकीय/निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
सीहोर	दोराहा	खाईखेडा	694	1.000 हे.	शासकीय भूमि	यांत्रिकी क्रिया से गिट्टी निर्माण हेतु पत्थर खनिज	कुल रकबा 19.1580 हेक्टयर क्षेत्र में से 1.000 हेक्टयर क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत किया गया।
			कुल रकबा	1.000 हे.			

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करनें की अंतिम तिथी तक (कार्यालयीन समय सांय 5:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सथी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3. विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
4. यदि द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
जिला-सीहोर (म.प्र.)

जी/17150/26

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें,अपनी व दूसरों की जान बचायें

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com